mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-229 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
19 अगस्त 2026 बुधवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

: ब्रीफ बॉक्स :

ट्रम्प बोले- अमेरिका में भारत जैसा चुनावी सिस्टम हो

हर भारतीय वोटर के पास फोटो आईडी, अमेरिका में बिना इसके इलेक्शन क्यों

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को भारत की चुनाव व्यवस्था का हवाला देते हुए 'सेव अमेरिका एक्ट' को पास कराने की अपील की है।ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर पोस्ट में लिखा- इस महीने की शुरुआत में, भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने हमारे प्रशासन से पूछा था कि अमेरिका में वैध फोटो ID के बिना चुनाव कैसे हो सकते हैं?

ट्रम्प ने आगे कहा- हमें अब सेव अमेरिका एक्ट पास करना होगा। ट्रम्प ने अमेरिकी चुनाव प्रक्रिया को और सख्त बनाने पर जोर दिया।

मुंबई टीआईएसएस के दीक्षांत में सीजेआई चीफ गेस्ट नहीं होंगे

उनकी जगह टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल डायरेक्टर को बुलाया

मुंबई,एजेंसी। मुंबई के टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (TISS) के 86वें दीक्षांत समारोह में अब CJI सूर्यकांत चीफ गेस्ट नहीं होंगे। 22 अगस्त को होने वाले समारोह में उनकी जगह टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. सीएस प्रमेश मुख्य अतिथि होंगे।पहले CJI सूर्यकांत को मुख्य अतिथि बनाया गया था और उन्हें दीक्षांत समारोह में भाषण देना था।

कॉकरोच पार्टी वर्कर के पिता की मौत का मामला,8 गिरफ्तार

आशुतोष रांका का दावा- स्कूल का वीडियो बनाने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने पीटा था

बांकुड़ा,एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी नेता आशुतोष रांका ने दावा किया कि पार्टी कार्यकर्ता शेख अब्दुल हफीज के पिता की मौत भाजपा कार्यकर्ताओं की पिटाई के बाद हुई। सीजेपी टीम ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा में उनके परिवार से मुलाकात की।हफीज के पिता मफीक पर 13 अगस्त को हमला हुआ था। दो दिन बाद उनकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने 8 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें 3 नामजद और 5 संदिग्ध हैं।

यूपी के 25 शहरों में बारिश, घर-थाने-अस्पताल में पानी भरा

बंगाल के आसनसोल में बाढ़; राजस्थान-दिल्ली समेत 14 राज्यों में अलर्ट

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना,एजेंसी। उत्तर भारत के कई हिस्सों में तेज बारिश जारी है। मौसम विभाग ने राजस्थान-दिल्ली समेत 14 राज्यों में मंगलवार को तेज बारिश की चेतावनी दी है। बंगाल की खाड़ी में बना डिप्रेशन आज आगे बढ़ सकता है।

यूपी के 25 शहरों में मंगलवार सुबह से बारिश हो रही है। कई जगह सड़कों-अस्पतालों में पानी भर गया। कारें-बाइकें डूब गईं। कानपुर-उन्नाव में 500 से ज्यादा घरों और प्रतापगढ़ के थाने में पानी भर गया। आठ जिलों में स्कूल की छुट्टी कर दी गई हैं।वाराणसी में 100 से ज्यादा छोटे मंदिरों में भी पानी घुस गया है।

पश्चिम बंगाल के दक्षिणी हिस्से में तेज बारिश हो रही है। आसनसोल में बाढ़ जैसे हालात हैं। वहीं मध्य प्रदेश के सतना में मंदाकिनी नदी में बाढ़ आ गई है। SDRF तैनात है और घाटों पर बैरिकेडिंग की गई है।उत्तराखंड में सोमवार से तेज बारिश हो रही है। ऋषिकेश में नदियां उफान पर हैं। बीन नदी में एक जीप पलट गई। SDRF ने गाड़ी में फंसे दो लोगों को निकाला। वहीं चंद्रभागा नदी में कई गाड़ियां फंस गई।

वाराणसी में 100 से ज्यादा मंदिरों में पानी

गंगा के बढ़ते जलस्तर का असर वाराणसी के घाटों पर भी दिखाई दे रहा है। 100 से ज्यादा छोटे मंदिरों में पानी प्रवेश कर गया है।घाटों के आसपास जलस्तर बढ़ने से लोगों की आवाजाही प्रभावित हुई है। नदी के आसपास रहने वाले लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है।

ऋषिकेश में नदी में फंसी जीप, 2 लोगों का रेस्क्यू

उत्तराखंड के ऋषिकेश में भी भारी बारिश के कारण हालात चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं। बीन नदी में एक गाड़ी पलटकर फंस गई। सूचना मिलने के बाद रेस्क्यू की टीम मौके पर पहुंची और गाड़ी में फंसे दो लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला।नदी और नालों का जलस्तर बढ़ने के कारण प्रशासन ने लोगों से जलभराव और तेज बहाव वाले क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है।

सतना में मंदाकिनी नदी में बाढ़

सतना जिले में भी बारिश का असर दिखाई दे रहा है। मंदाकिनी नदी में बाढ़ आने के बाद प्रशासन और SDRF को तैनात किया गया है।नदी के बढ़े जलस्तर को देखते हुए घाटों पर बैरिकेडिंग की गई है और लोगों की आवाजाही पर नजर रखी जा रही है।

राजस्थान-दिल्ली समेत 14 राज्यों में अलर्ट

मौसम विभाग ने मंगलवार को राजस्थान, दिल्ली समेत 14 राज्यों में तेज बारिश की चेतावनी जारी की है। उत्तर भारत के कई हिस्सों में पहले से बारिश हो रही है, ऐसे में आने वाले घंटों में जलभराव और बाढ़ जैसे हालात और गंभीर हो सकते हैं।बंगाल की खाड़ी में बना डिप्रेशन आगे बढ़ रहा है, जिसका असर कई राज्यों के मौसम पर पड़ सकता है।

दिल्ली पुलिस बोली- संसद मार्च की परमिशन नहीं थी

- सुप्रीम कोर्ट में कहा- प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़े
- हमने जंतर-मंतर पर ज्यादा बल प्रयोग नहीं किया

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि 20 जुलाई का संसद मार्च गैरकानूनी था। इसकी परमिशन नहीं थी। पुलिस ने कहा कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में कई हिस्ट्रीशीटर भी आ गए थे।पुलिस ने कहा कि संसद मार्च में प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़े और पुलिस से मारपीट की, जिससे प्रदर्शन शांतिपूर्ण नहीं रहा। हालात संभालने के लिए बल प्रयोग किया गया था, लेकिन प्रदर्शनकारियों पर जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग नहीं किया गया।डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस सचिन शर्मा ने हलफनामा दाखिल कर ये जानकारी दी। इसे पुलिस ज्यादती की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग वाली याचिकाओं के जवाब के तौर पर पेश किया गया है। चार संबंधित याचिकाओं में भी यही जवाब इस्तेमाल होगा।

जंतर-मंतर प्रदर्शन पर रिजिजू बोले- गोली कहां चली:जेन-जी हमारे बच्चे, उनसे बातचीत जरूरी

अभिजीत दीपके आप कार्यकर्ता, छात्र नेता कैसे बन गए

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने एक इंटरव्यू में कहा कि जेन-जी हमारे अपने बच्चे हैं और उनसे लगातार बातचीत जरूरी है। रिजिजू ने जंतर-मंतर प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस की कार्रवाई का बचाव किया।उन्होंने कहा- हजारों लोगों के प्रदर्शन के बावजूद एक भी गोली नहीं चली और किसी प्रदर्शनकारी को गंभीर चोट नहीं लगी। इसके लिए दिल्ली पुलिस की तारीफ होनी चाहिए। अगर ऐसा आंदोलन कांग्रेस के दौर में हुआ होता, तो हजारों लोगों की मौत हो सकती थी।

अर्जुन अवॉर्ड का हुआ ऐलान, तेजस्विन शंकर समेत 17 खिलाड़ियों को मिलेगा सम्मान

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत सरकार ने नेशनल स्पोर्ट्स अवॉर्ड 2025 का ऐलान कर दिया है। 17 खिलाड़ियों को अर्जुन अवॉर्ड के लिए चुना गया है। एथलेटिक्स से लेकर बैडमिंटन, हॉकी, शतरंज, शूटिंग और कबड्डी तक अलग-अलग खेलों के खिलाड़ियों को अर्जुन अवॉर्ड के लिए चुना गया है। खेल मंत्रालय ने चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर इन पुरस्कारों की घोषणा की है।युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने नेशनल स्पोर्ट्स अवॉर्ड 2025 की सूची जारी करते हुए बताया कि हर साल खेलों में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों, कोच और संस्थाओं को इन पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है। इस साल सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस (रिटायर्ड) अरुण कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने पुरस्कारों के लिए नामों की सिफारिश की थी।

इन खिलाड़ियों को मिलेगा अर्जुन अवॉर्ड

अर्जुन अवॉर्ड 2025 के लिए कुल 17 खिलाड़ियों के नाम चुने गए हैं। एथलेटिक्स

में तेजस्विन शंकर, मोहम्मद अजमल वी और प्रियंका गोस्वामी को सम्मान मिलेगा। बैडमिंटन में ट्रीसा जॉली और दिग्गज कोच पुलेला गोपीचंद की बेटी गायत्री गोपीचंद का सिलेक्शन हुआ है। बॉक्सिंग में नरेंद्र को अर्जुन अवॉर्ड दिया जाएगा।शतरंज में विदित संतोष गुजराती और दिव्या जितेंद्र देशमुख को यह सम्मान मिलेगा। डेफ शूटिंग में धनुष श्रीकांत का नाम शामिल है। हॉकी में लालरेमसियामी और राजकुमार पाल को अर्जुन अवॉर्ड मिलेगा। कबड्डी में सुरजीत और पूजा को चुना गया है। पैरा-शूटिंग में रुद्रांश खंडेलवाल, पैरा-एथलेटिक्स में एकता भयान, रोइंग में अरविंद सिंह और शूटिंग में अखिल श्योराण को अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा।

अर्जुन अवॉर्ड के लिए चुने गए खिलाड़ियों की लिस्ट

- तेजस्विन शंकर (एथलेटिक्स)
- मुहम्मद अजमल वी (एथलेटिक्स)
- प्रियंका गोस्वामी (एथलेटिक्स)
- ट्रीसा जॉली (बैडमिंटन)
- पुलेला गायत्री गोपीचंद (बैडमिंटन)
- नरेन्द्र (बॉक्सिंग)
- विदित संतोष गुजराती (शतरंज)
- दिव्या जीतेन्द्र देशमुख (शतरंज)
- धनुष श्रीकांत (डेफ शूटिंग)
- लालरेम्सियामी (हॉकी)
- राजकुमार पाल (हॉकी)
- सुरजीत (कबड्डी)
- पूजा (कबड्डी)
- रुद्रांश खंडेलवाल (पैरा-शूटिंग)
- एकता भयान (पैरा एथलेटिक्स)
- अरविन्द सिंह (रोइंग)
- अखिल श्योराण (शूटिंग)

लाइफटाइम अर्जुन अवॉर्ड भी घोषित

खेलों में लंबे समय तक योगदान देने वाले खिलाड़ियों को दिए जाने वाले अर्जुन अवॉर्ड (लाइफटाइम) के लिए फुटबॉल के आई अरुमैनायगम को चुना गया है। यह पुरस्कार उन खिलाड़ियों को दिया जाता है जिन्होंने सक्रिय करियर के दौरान शानदार प्रदर्शन किया और संन्यास के बाद भी खेलों के विकास में योगदान जारी रखा।

कोचों को भी मिलेगा द्रोणाचार्य अवॉर्ड

नेशनल स्पोर्ट्स अवॉर्ड में द्रोणाचार्य अवॉर्ड के नामों का भी ऐलान किया गया है। नियमित कैटेगिरी में एथलेटिक्स के परवीर सिंह, बॉक्सिंग के छोटे लाल यादव और शूटिंग की नेहा नंदकुमार चव्हाण को चुना गया है। वहीं लाइफटाइम कैटेगिरी में बॉक्सिंग के धर्मेंद्र सिंह यादव और कुश्ती के वीरेंद्र कुमार को सम्मानित किया जाएगा।

खड़गे बोले:मैं विधायक बना था तब अमित शाह बच्चे थे,हमें देशभक्ति न सिखाएं

पणजी,एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को कहा कि जब मैं पहली बार विधायक बना था, तब अमित शाह बच्चे थे और आज हमें देशभक्ति सिखा रहे हैं। उन्होंने यह बात सोमवार को दक्षिण गोवा में एक जनसभा में कही।वहीं, खड़गे ने कहा, 'भाजपा धर्म विरोधी हैं, क्योंकि जब मैंने 8 अगस्त को उत्तराखंड में हल्द्वानी के रामलीला मैदान पर सभा की थी तो 2 दिन बाद मंच का शुद्धिकरण किया गया।

खड़गे ने कहा- गद्दारों को वोट मत दीजिए

खड़गे ने कहा, गोवा के 12 मंत्रियों में से 10 पूर्व कांग्रेस नेता हैं, जो पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए हैं।गद्दारों को वोट मत दीजिए।अगर आप उन्हें वोट देंगे, तो आप भी गद्दार बन जाएंगे।उन्होंने कहा, 'बड़े शहरों के अमीर लोग गोवा में जमीन खरीद रहे हैं। क्या वे इसे आपकी भलाई के लिए खरीद रहे हैं या गोवा का मजाक बनाने के लिए। बाहर से आने वाले लोगों को जमीन खरीदकर मनमानी कीमतों पर घर बनाने और गोवा का शोषण करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

असम ने केंद्र सरकार को भेजा काजीरंगा इको-सेंसिटिव जोन को छोटा करने का प्रस्ताव, विपक्ष ने जताया विरोध

गुवाहाटी,एजेंसी। असम सरकार ने काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के आसपास डिफॉल्ट 10 किलोमीटर के इको-सेंसिटिव जोन की सीमा को घटाकर 1 से 3 किलोमीटर करने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा है। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह प्रस्ताव सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के पूरी तरह से अनुकूल है।सरकार का कहना है कि इस कदम से यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल और एक सींग वाले गैंडों के लिए प्रसिद्ध इस उद्यान की मूल सीमाओं में कोई बदलाव नहीं होगा। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय उद्यान की सीमाएं बिल्कुल अपरिवर्तित रहेंगी।

विज्ञापन हटाएंसिर्फ खबर पढ़ें

उन्होंने बताया कि सरकार का यह कदम सुप्रीम कोर्ट के उन निर्देशों के दायरे में है, जिसमें एक से तीन किलोमीटर तक इको-सेंसिटिव जोन

अधिसूचित करने की अनुमति दी गई है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यह दूरी पार्क के कोर एरिया से नहीं, बल्कि उसकी बाहरी सीमा से मापी जाती है।आजीविका और विकास को ध्यान में रखकर लिया गया फैसलाराज्य सरकार के अनुसार, 10 किलोमीटर के बड़े दायरे के कारण स्थानीय और मूल निवासी समुदायों को घर बनाने जैसी बुनियादी जरूरतों में भारी प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा था। इस नए प्रस्ताव का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ नियामक ढांचे के भीतर आवास और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं को समायोजित करना है।मुख्यमंत्री सरमा ने चेतावनी दी कि यदि काजीरंगा के चारों ओर 10 किलोमीटर का ईएसजेड नियम समान रूप से लागू किया गया, तो इसके दूरगामी और गंभीर परिणाम होंगे।

उद्योगों और स्थानीय व्यापार पर प्रभाव की चिंता

स्थानीय लोगों की आजीविका का बचाव करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवित रहने के लिए आसपास के निवासियों को व्यवसाय चलाने की आवश्यकता है। उन्होंने यहां तक कहा कि अगर 10 किलोमीटर का दायरा लागू हुआ, तो नुमालीगढ़ रिफाइनरी को भी बंद करना पड़ जाएगा।इसके अलावा, काजीरंगा का विस्तार कोहोरा रेंज से आगे विश्वनाथ घाट तक है, इसलिए इतना बड़ा दायरा गोहपुर और विश्वनाथ चारियाली जैसे क्षेत्रों को भी बुरी तरह प्रभावित करेगा। मुख्यमंत्री का तर्क है कि यदि काजीरंगा के आसपास रहने वाले लोगों को ही विस्थापित कर दिया गया, तो फिर पार्क की सुरक्षा कौन करेगा।

क्या हैं विशेषज्ञों की राय?

काजीरंगा नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व के पूर्व फील्ड डायरेक्टर जतिंद्र सरमा ने इस मुद्दे पर अपना दृष्टिकोण साझा करते हुए कहा कि इको-सेंसिटिव जोन का मुख्य उद्देश्य संरक्षित क्षेत्र के चारों ओर एक बफर बनाना होता है। इस सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी के अनुसार, ईएसजेड का हर जगह समान रूप से 10 किलोमीटर होना अनिवार्य नहीं है और विकास कार्यों के लिए जगह छोड़ना भी जरूरी है।उन्होंने बताया कि जैसे अमचांग वन्यजीव अभयारण्य का ईएसजेड 170 मीटर से 8.1 किलोमीटर तक है और होलोंगापार गिब्बन अभयारण्य का दायरा शून्य से 22.54 किलोमीटर तक है, उसी तरह स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार काजीरंगा के लिए भी एक व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है, ताकि मानव और वन्यजीव सह-अस्तित्व में रह सकें।

विपक्ष ने जताया कड़ा विरोध

इस प्रस्ताव को लेकर कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों ने कड़ी आपत्ति जताई है और इसे पर्यावरण के लिए खतरा बताते हुए वापस लेने की मांग की है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के उपनेता गौरव गोगोई के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कोहोरा रेंज पर विरोध प्रदर्शन किया।गोगोई ने सरकार पर आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल के संरक्षण में हो रहे अवैध कोयला, पत्थर और रेत खनन ने ऊपरी असम में विनाशकारी बाढ़ को जन्म दिया है, जिससे बड़े पैमाने पर तबाही मची है।उन्होंने यह भी दावा किया कि वनों की कटाई और खनन के कारण ही बाघ और हाथी इंसानी बस्तियों में आ रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट में फांसी सिस्टम खत्म करने की याचिका खारिज

मौत के लिए जहरीले इंजेक्शन या गोली मारने जैसे तरीकों की मांग की गई थी

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मौत की सजा पाए दोषियों को फांसी देने की मौजूदा व्यवस्था खत्म करने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। याचिका में फांसी की जगह जहरीले इंजेक्शन, गोली मारने, बिजली की कुर्सी या गैस चैंबर जैसे वैकल्पिक तरीकों की मांग की गई थी।

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि उसका फैसला केंद्र को फांसी की मौजूदा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा करने से नहीं रोकता। केंद्र किसी विशेषज्ञ संस्था से यह जांच करा सकता है कि कोई वैकल्पिक तरीका दोषी को अनावश्यक पीड़ा से बचाने और उसकी गरिमा बनाए रखने के लिहाज से बेहतर है या नहीं।

याचिका में कहा था- कम दर्द देने वाले तरीके अपनाए जाएं:वरिष्ठ वकील ऋषि मल्होत्रा ने 2017 में यह याचिका दायर की थी। इसमें मौत की सजा पाए दोषियों को फांसी देने की व्यवस्था को कानून से हटाने की मांग की गई थी। याचिका में कानून आयोग की 187वीं रिपोर्ट का हवाला दिया गया था।याचिका में कहा गया था कि फांसी की जगह कम पीड़ादायक तरीके अपनाए जाएं। बहस के दौरान मल्होत्रा ने यह भी कहा था कि मौत की सजा पाए कैदी को फांसी और जहरीले इंजेक्शन में से कोई एक तरीका चुनने का ऑप्शन मिलना चाहिए।

- **2023 में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से मांगा था डेटा:**सुप्रीम कोर्ट ने मार्च 2023 में कहा था कि वह मौत की सजा देने के लिए फांसी के तरीके की पीड़ादायकता और प्रभाव को लेकर विशेषज्ञ समिति बनाने पर विचार कर सकता है। कोर्ट ने केंद्र से इस मुद्दे पर बेहतर डेटा भी मांगा था।

हालांकि, कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया था कि वह विधायिका को मौत की सजा के लिए कोई खास तरीका अपनाने का निर्देश नहीं दे सकता।

- **केंद्र ने फांसी को तेज और आसान तरीका बताया था:**केंद्र ने 2018 में फांसी की मौजूदा व्यवस्था का बचाव किया था। गृह मंत्रालय ने अपने हलफनामे में कहा था कि फांसी से मौत तेज और आसान होती है और इससे कैदी का दर्द नहीं बढ़ता। केंद्र ने कहा था कि जहरीले इंजेक्शन और गोली मारने जैसे वैकल्पिक ऑप्शन भी कम पीड़ादायक नहीं हैं।

असम ने केंद्र सरकार को भेजा काजीरंगा इको-सेंसिटिव जोन को छोटा करने का प्रस्ताव, विपक्ष ने जताया विरोध

गुवाहाटी, एजेंसी। असम सरकार ने काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के आसपास डिफॉल्ट 10 किलोमीटर के इको-सेंसिटिव जोन की सीमा को घटाकर 1 से 3 किलोमीटर करने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा है। राज्य सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह प्रस्ताव सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के पूरी तरह से अनुकूल है। सरकार का कहना है कि इस कदम से यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल और एक सींग वाले गैंडों के लिए प्रसिद्ध इस उद्यान की मूल सीमाओं में कोई बदलाव नहीं होगा। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय उद्यान की सीमाएं बिल्कुल अपरिवर्तित रहेंगी। उन्होंने बताया कि सरकार का यह कदम सुप्रीम कोर्ट के उन निर्देशों के दायरे में है, जिसमें एक से तीन किलोमीटर तक इको-सेंसिटिव जोन अधिसूचित करने की अनुमति दी गई है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यह दूरी पार्क के कोर एरिया से नहीं, बल्कि उसकी बाहरी सीमा से

मापी जाती है।

आजीविका और विकास को ध्यान में रखकर लिया गया फैसला: राज्य सरकार के अनुसार, 10 किलोमीटर के बड़े दायरे के कारण स्थानीय और मूल निवासी समुदायों को घर बनाने जैसी बुनियादी जरूरतों में भारी प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा था। इस नए प्रस्ताव का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ नियामक ढांचे के भीतर आवास और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं को समायोजित करना है। मुख्यमंत्री सरमा ने चेतावनी दी कि यदि काजीरंगा के चारों ओर 10 किलोमीटर का ईएसजेड नियम समान रूप से लागू किया गया, तो इसके दूरगामी और गंभीर परिणाम होंगे।

उद्योगों और स्थानीय व्यापार पर प्रभाव की चिंता: स्थानीय लोगों की आजीविका का बचाव करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवित रहने के लिए आसपास के निवासियों को व्यवसाय चलाने की आवश्यकता है। उन्होंने यहां तक कहा कि अगर 10 किलोमीटर का दायरा लागू हुआ, तो नुमालीगढ़ रिफाइनरी को भी बंद करना पड़ जाएगा। इसके अलावा, काजीरंगा का विस्तार कोहोरा रेंज से आगे विश्वनाथ घाट तक है, इसलिए इतना बड़ा दायरा गोहपुर और विश्वनाथ चारियाली जैसे क्षेत्रों को भी बुरी तरह प्रभावित करेगा।

क्या हैं विशेषज्ञों की राय

काजीरंगा नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व के पूर्व फील्ड डायरेक्टर जतिंद्र सरमा ने इस मुद्दे पर अपना दृष्टिकोण साझा करते हुए कहा कि इको-सेंसिटिव जोन का मुख्य उद्देश्य संरक्षित क्षेत्र के चारों ओर एक बफर बनाना होता है। इस सेवानिवृत्त आईएफएस अधिकारी के अनुसार, ईएसजेड का हर जगह समान रूप से 10 किलोमीटर होना अनिवार्य नहीं है और विकास कार्यों के लिए जगह छोड़ना भी जरूरी है। उन्होंने बताया कि जैसे अमचांग वन्यजीव अभयारण्य का ईएसजेड 170 मीटर से 8.1 किलोमीटर तक है और होलोंगापार गिब्बन अभयारण्य का दायरा शून्य से 22.54 किलोमीटर तक है, उसी तरह स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार काजीरंगा के लिए भी एक व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है, ताकि मानव और वन्यजीव सह-अस्तित्व में रह सकें।

विपक्ष ने जताया कड़ा विरोध

इस प्रस्ताव को लेकर कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों ने कड़ी आपत्ति जताई है और इसे पर्यावरण के लिए खतरा बताते हुए वापस लेने की मांग की है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और लोकसभा में विपक्ष के उपनेता गौरव गोगोई के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने कोहोरा रेंज पर विरोध प्रदर्शन किया। गोगोई ने सरकार पर आरोप लगाया कि सत्ताधारी दल के संरक्षण में हो रहे अवैध कोयला, पत्थर और रेत खनन ने ऊपरी असम में विनाशकारी बाढ़ को जन्म दिया है, जिससे बड़े पैमाने पर तबाही मची है। उन्होंने यह भी दावा किया कि वनों की कटाई और खनन के कारण ही बाघ और हाथी इंसानी बस्तियों में आ रहे हैं। इन आरोपों पर पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री सरमा ने विपक्ष पर मुद्दे का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया और कहा कि विरोध केवल राजनीतिक बयानबाजी के बजाय ईएसजेड के वास्तविक प्रभाव के तकनीकी आकलन पर आधारित होना चाहिए।

हिमाचल के 4 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट, मानूसन में 1000 करोड़ का नुकसान

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में मानसून की भारी वर्षा से जनजीवन प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के लिए राज्य के कई जिलों में बहुत भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। 18 और 19 अगस्त को बहुत भारी बारिश की प्रबल संभावना है। प्रशासन ने नदी-नालों के किनारे रहने वाले लोगों और पर्यटकों को सतर्क रहने तथा अनावश्यक यात्रा से बचने की सख्त हिदायत दी है। आज 18 अगस्त को कांगड़ा, मंडी, बिलासपुर और सिरमौर में कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जबकि किन्नौर और लाहुल स्पीति को छोड़ बाकी जिलों में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा का यलो अलर्ट है। 23 अगस्त तक कई हिस्सों में बहुत भारी वर्षा की चेतावनी जारी की गई है।

कुल्लू में सबसे ज्यादा वर्षा रिकॉर्ड: प्रदेश में बीते 24 घंटे के दौरान सबसे अधिक वर्षा कोठी (कुल्लू) 71.4 मिलीमीटर, धर्मशाला 52.2 और कसौली में 52 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। प्रदेश में हुई वर्षा और भूस्खलन के कारण 105 सड़कें अवरुद्ध हैं। प्रदेश में मंडी जिले में सबसे अधिक 39 सड़कें बंद हैं। इसके अलावा कुल्लू जिले में 33, सिरमौर में 9, कांगड़ा और चंबा में 6-6 सड़कें भूस्खलन के कारण बाधित हुई हैं।

बिजली ट्रांसफार्मर व पेयजल योजनाएं भी ठप बिजली के 36 ट्रांसफॉर्मर और 15 पेयजल योजनाएं ठप हो गई हैं। हमीरपुर के बड़सर उपमंडल में बिजली के 9 ट्रांसफार्मर बंद होने से कई गांव अंधेरे में डूब गए हैं। वहीं शिमला जिले के रामपुर, ठियोग और चौपाल क्षेत्रों में 8 पेयजल योजनाएं प्रभावित होने से पीने के पानी का संकट

गहरा गया है।

मानसून सीजन में अब तक 994 करोड़ का नुकसान, 196 मौतें

आपदा प्रबंधन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, 30 जून से 17 अगस्त तक चले इस मानसून सीजन में राज्य को अब तक लगभग 1000 करोड़ रुपये के सार्वजनिक व निजी संपत्ति का नुकसान हो चुका है। दुखद पहलू यह है कि इस दौरान कुल 196 लोगों ने अपनी जान गंवाई है। प्रत्यक्ष आपदा से 80 लोगों की मौत हुई है, भूस्खलन में 14, पानी में डूबने से 5 और बिजली-चट्टान से गिरने या अन्य आपदाओं के कारण 61 लोगों की जान गई है।

कुकुमसेरी में 11.7 डिग्री तापमान: सबसे कम तापमान कुकुमसेरी में न्यूनतम पारा 11.7 डिग्री दर्ज किया गया। सबसे ज्यादा तापमान मंडी में अधिकतम तापमान 33.7 डिग्री दर्ज हुआ।

मिशन 2027 की तैयारी, राहुल गांधी लेंगे पंजाब कांग्रेस के दिग्गज नेताओं की मीटिंग

● गुटबाजी पर नकेल कसने की रणनीति तैयार

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब कांग्रेस में लंबे समय से चल रही गुटबाजी के बीच पार्टी हाईकमान ने अब वरिष्ठ नेताओं को एक साथ बैठाकर चुनावी रणनीति पर मंथन की तैयारी की है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के साथ पंजाब कांग्रेस के प्रमुख नेताओं की दिल्ली में 19 और 20 अगस्त को अहम बैठक होने की संभावना है। बैठक में 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव की तैयारियों के साथ प्रदेश संगठन में चल रहे मतभेदों पर भी चर्चा हो सकती है। 19 अगस्त को प्रस्तावित कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में विभिन्न राज्यों में आगामी चुनावों की रणनीति पर चर्चा होनी है। इसी दौरान पंजाब के नेताओं की राहुल गांधी के साथ अलग बैठक की संभावना है। इसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा, सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और चुनाव कैंपेन कमेटी के अध्यक्ष विजय इंदर सिंगला समेत वरिष्ठ नेता शामिल हो सकते हैं।

एक साथ राहुल गांधी के सामने होंगे बड़े चेहरे: यह पहली बार होगा जब पंजाब कांग्रेस के विभिन्न गुटों के प्रमुख चेहरे एक साथ राहुल गांधी के सामने होंगे। ऐसे में प्रदेश संगठन में नेतृत्व, चुनाव समितियों और टिकट वितरण को लेकर चल रही खींचतान पर हाईकमान का रुख स्पष्ट होने की उम्मीद है। खासकर वड़िंग के नेतृत्व को लेकर चन्नी खेमे की नाराजगी और रंधावा-वड़िंग के बीच हालिया मतभेद भी चर्चा में आ सकते हैं। प्रताप सिंह बाजवा ने पिछले सप्ताह राहुल गांधी से पंजाब के करीब 15 विधायकों के साथ बैठक के लिए समय मांगा था।

अब प्रस्तावित दिल्ली बैठक को कांग्रेस की पंजाब इकाई में चल रहे विवाद को सुलझाने की हाईकमान की गंभीर कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। कांग्रेस प्रभारी भूपेश बघेल के पंजाब दौरे के दौरान भी संगठनात्मक मतभेद खुलकर सामने आए थे। हाईकमान अब चुनाव से पहले सभी नेताओं को एकजुट कर बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने और सामूहिक रणनीति बनाने पर जोर दे सकता है।

राहुल गांधी के अगस्त के अंतिम सप्ताह में पंजाब दौरे और श्री हरमंदिर साहिब से चुनावी अभियान की शुरुआत की संभावनाओं के बीच दिल्ली की यह बैठक बेहद अहम मानी जा रही है।

दिल्ली में खौफनाक वारदात: भाई ने बहन की गला घोंटकर की हत्या, ब्रीफकेस में बंद कर फेंका शव

नई दिल्ली, एजेंसी। बुराड़ी इलाके में झूठी शान के लिए चचेरे भाई ने नाबालिग बहन की गला घोंटकर हत्या कर दी और शव ब्रीफकेस में बंद कर सड़क किनारे फेंक आया। आउटर नार्थ जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने आरोपित को गिरफ्तार कर सोमवार रात शव बरामद कर लिया। आरोपित की पहचान अविनाश (26) के रूप में हुई। वह मुकुंदपुर पार्ट-2 में रहता है और मूलरूप से बिहार के मुजफ्फरपुर जिले का रहने वाला है। उसने बताया कि चचेरी बहन का एक युवक से प्रेम संबध था। परिवार के लोग उससे परेशान थे। पुलिस के मुताबिक, नाबालिग लड़की अक्सर मोबाइल फोन पर अपने प्रेमी से बातचीत करती थी। नाबालिग पहले दो बार युवक के साथ घर से भाग चुकी थी, जिसे परिवार के लोग तलाश कर वापस ले आए थे। परिवार की परेशानी को देखकर चचेरा भाई अविनाश बहन को अपने साथ मुकुंदपुर ले आया था। इसके बाद भी नाबालिग अपने प्रेमी से लगातार संपर्क में थी। इसी बीच अविनाश को पता

चला कि उसकी चचेरी बहन प्रेमी को दिल्ली बुलाने की बात कर रही है। इससे उसका गुस्सा भड़क गया और उसने बहन की हत्या करने की ठान ली। रविवार रात वह चचेरी बहन को मुकुंदपुर से सटी एक कालोनी में दोस्त की दुकान पर ले गया। आरोप है यहां देर रात उसने चचेरी बहन का गला घोंटकर हत्या कर दी और शव को ब्रीफकेस में बंद कर रख दिया। इसके बाद सोमवार तड़के करीब चार बजे ब्रीफकेस को सड़क किनारे फेंक आया। इस बीच आउटर नार्थ स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर विश्वेंद्र कुमार चौधरी को मुखबिर से सूचना मिली कि अविनाश एक लड़की को लेकर आया था, लेकिन वह सुबह से दिखाई नहीं दे रही है। इस पर स्पेशल स्टाफ ने अविनाश को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो वह टूट गया। उसने बताया कि चचेरी बहन के प्रेम संबंध से पूरा परिवार परेशान था। इस वजह से उसने चचेरी बहन को मार डाला। उसकी निशानदेही पर सोमवार रात बुराड़ी के अजीत विहार इलाके से ब्रीफकेस बरामद किया गया, जिसमें नाबालिग का शव था। पुलिस उपायुक्त शोभित डी सक्सेना ने बताया कि मामला अलग जिले से जुड़ा होने के कारण आगे की जांच बुराड़ी थाना पुलिस को सौंप दी गई है।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के स्वास्थ्य में सुधार, एम्स के कार्डियोलॉजी विभाग में इलाज जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। वह अब भी दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के कार्डियोलाजी विभाग में भर्ती हैं और चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार चल रहा है। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है और वह पहले की तुलना में बेहतर महसूस कर रहे हैं। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, नड्डा को एम्स से

डिस्चार्ज करने को लेकर चिकित्सकों ने अभी कोई अंतिम फैसला नहीं किया है। उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। अपेक्षित सुधार होने और चिकित्सकों के आकलन के बाद ही उन्हें अस्पताल से छुट्टी देने का निर्णय लिया जाएगा।

13 अगस्त की शाम हुए थे भर्ती: केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को 13 अगस्त की शाम बेचैनी की शिकायत के बाद एम्स में भर्ती कराया गया था। एम्स की ओर से जारी जानकारी के अनुसार उनकी बेचैनी की चिकित्सकीय जांच की गई, जिसमें कोरोनरी एंजियोग्राफी समेत कई जांच शामिल थीं। इसके बाद उन्हें कार्डियोलाजी विभाग में निगरानी के लिए भर्ती रखा गया। अस्पताल ने उनकी स्थिति को स्थिर बताया था। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने नड्डा के स्वास्थ्य की जानकारी ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी एम्स पहुंचकर नड्डा से मुलाकात कर चुकी हैं। फिलहाल चिकित्सकों की प्राथमिकता उनके स्वास्थ्य की निगरानी और उपचार जारी रखना है।

गोवा में खरगे के दौरे से पहले कांग्रेस को झटका, 100 से अधिक बूथ लेवल के कार्यकर्ताओं ने दिया इस्तीफा

पणजी, एजेंसी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के गोवा दौरे की शुरुआत कांग्रेस के लिए बड़े झटके के साथ हुई। खरगे के साथ होने वाली बैठक से ठीक पहले कम से कम 100 बूथ-स्तरीय एजेंटों और कार्यकर्ताओं ने इस्तीफा दे दिया। इन सभी बीएलए ने अपने इस फैसले की जानकारी मुख्य निर्वाचन अधिकारी को भी सौंप दी है। वाल्पोई के पार्ट 8 से कांग्रेस के बीएलए एशले पिन्हो ने अपने पद से इस्तीफा देने के बाद पार्टी की कार्यप्रणाली पर कड़े सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मैं एक बीएलए था और मैंने अपने निर्वाचन क्षेत्र से इस्तीफा दे दिया है। मुझे नहीं लगता कि कांग्रेस 2027 में सरकार बनाने को लेकर गंभीर है। हमें विश्वास में नहीं लिया गया और मौजूदा समय में मुझे यह भी नहीं पता कि वाल्पोई में पार्टी का प्रमुख कौन है। पिन्हो ने आरोप भी लगाया कि कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी वाल्पोई का दौरा करने तक को तैयार नहीं हैं।

बैठक के उद्देश्य से अंजान थे कार्यकर्ता: कई बीएलए ने यह भी कहा कि उन्हें मल्लिकार्जुन खरगे की इस बैठक के मुख्य उद्देश्य की कोई जानकारी ही नहीं दी गई थी। एक कार्यकर्ता ने नाराजगी जताते हुए कहा कि हमने पार्टी नहीं छोड़ी है क्योंकि हम निष्ठावान कांग्रेसी हैं, लेकिन पार्टी में जिस तरह से काम चल रहा है, वह बेहद निराशाजनक है। एक तरफ जहां पार्टी के भीतर असंतोष दिखा, वहीं दूसरी तरफ डाबोलिम हवाई अड्डे से बाहर निकलते समय भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने खरगे के काफिले को रोकने की कोशिश की। इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गिरीश चोडनकर ने भाजपा पर निशाना साधा।

एफबीआई मुख्यालय अब कहां बनेगा: ट्रंप प्रशासन को कोर्ट ने दिया बड़ा झटका, हेडक्वार्टर की शिफ्टिंग पर लगाई रोक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक जज ने सोमवार को एफबीआई के मुख्यालय को वॉशिंगटन की एक फेडरल ऑफिस बिल्डिंग में ले जाने की योजना पर रोक लगा दी। जज ने पाया कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने मैरीलैंड में पास की गई एक नई बिल्डिंग बनाने की योजना को गैर-कानूनी तरीके से रद्द कर दिया था। यह फैसला देश की प्रमुख कानून लागू करने वाली एजेंसी का मुख्य कार्यालय कहां बनाया जाए, इस पर बरसों से चल रही लड़ाई में एक नया घटनाक्रम है। बता दें कि पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल के दौरान मैरीलैंड के ग्रीनबेल्ट में एक जगह चुनी गई थी, लेकिन ट्रंप की ओर से नियुक्त अधिकारियों ने पिछले साल उस फैसले को पलटने की कोशिश की।

ट्रंप प्रशासन क्या चाहता था: वे चाहते थे कि एफबीआई के मौजूदा मुख्यालय से कुछ ब्लॉक दूर स्थित फेडरल ऑफिस कॉम्प्लेक्स, रोनाल्ड रीगन बिल्डिंग का इस्तेमाल इस काम के लिए किया जाए।

जिला जज चुआंग ने क्या फैसला सुनाया: राष्ट्रपति बराक ओबामा की ओर से नियुक्त अमेरिकी जिला जज थियोडोर डी. चुआंग ने फैसला सुनाया कि यह कदम कानून के मुताबिक नहीं था। उन्होंने ट्रंप प्रशासन को एफबीआई को रीगन बिल्डिंग में ले जाने के लिए उसकी मरम्मत करने या फंड का दोबारा इस्तेमाल करने से रोक दिया।

मुकदमा किसने दायर किया था: न्याय विभाग और एफबीआई के अधिकारियों ने टिप्पणी के अनुरोधों का तुरंत कोई जवाब नहीं दिया। यह मुकदमा मैरीलैंड राज्य और प्रिंस जॉर्ज काउंटी ने दायर किया था।

मैरीलैंड के अटॉर्नी जनरल ने क्या कहा: मैरीलैंड के अटॉर्नी जनरल एंथनी ब्राउन (जो डेमोक्रेट हैं) ने एक बयान में कहा, मैरीलैंड और प्रिंस जॉर्ज काउंटी ने एफबीआई मुख्यालय हासिल करने के लिए एक दशक से ज्यादा समय तक काम किया है। इसके साथ ही करोड़ों डॉलर देने का वादा किया। एफबीआई को रीगन बिल्डिंग में ले जाने और इस प्रोजेक्ट के लिए कांग्रेस द्वारा अलग रखे गए फंड को दूसरी जगह लगाने की ट्रंप प्रशासन की गैर-कानूनी कोशिश को रोककर, कोर्ट ने ग्रीनबेल्ट लौटने का रास्ता साफ कर दिया है।

एफबीआई का मौजूदा मुख्यालय कहां है: एफबीआई का मौजूदा मुख्यालय, पेन्सिलवेनिया एवेन्यू पर स्थित जे. एडगर हूवर बिल्डिंग में 1975 में खोला गया था। मुख्यालय को दूसरी जगह ले जाने के पक्ष में तर्क देने वालों का कहना है कि ब्रूटलिस्ट-शैली की यह इमारत अब जर्जर हो चुकी है। इसके चारों ओर पैदल चलने वालों को गिरते मलबे से बचाने के लिए जाल लगे हैं।

भारत के चुनावी मॉडल के मुरीद हुए ट्रंप, अमेरिका में वोटर आईडी अनिवार्य करने की मांग क्यों हुई तेज

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत की चुनाव व्यवस्था का उदाहरण देते हुए अमेरिका में हर मतदाता के लिए फोटो पहचान पत्र अनिवार्य करने की अपनी मांग फिर दोहराई है। ट्रंप ने दावा किया कि भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने उनके प्रशासन से सवाल किया था कि अमेरिका में वैध फोटो पहचान पत्र के बिना चुनाव कैसे कराए जा सकते हैं। ट्रंप ने भारत की व्यवस्था का हवाला देते हुए कहा कि अमेरिका को भी चुनाव में पहचान और नागरिकता से जुड़े नियम कड़े करने चाहिए।

भारत के चुनाव को लेकर ट्रंप ने क्या दावा किया: ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया कि भारत के हालिया आम चुनाव में करीब 64.6 करोड़ लोगों छने मतदान किया और एक प्रतिशत से भी कम मतदाताओं ने डाक मतपत्र का इस्तेमाल किया। उन्होंने यह भी कहा कि हर मतदाता के लिए वैध फोटो पहचान पत्र जरूरी था। ट्रंप ने भारत के चुनावी मॉडल को अमेरिका में अनिवार्य फोटो पहचान की जरूरत के समर्थन में उदाहरण के तौर पर पेश किया। उनका कहना है कि इससे चुनाव में धोखाधड़ी की आशंका को कम किया जा सकता है।

सेव अमेरिका एक्ट में क्या बदलाव प्रस्तावित हैं: ट्रंप जिस सेव अमेरिका एक्ट के समर्थन में लगातार आवाज उठा रहे हैं, उसका पूरा नाम सेफगार्ड अमेरिकन वोटर एलिजीबिलिटी एक्ट है। प्रस्तावित कानून के तहत अमेरिका में मतदान के लिए पंजीकरण कराने वाले लोगों को अपनी नागरिकता का प्रमाण देना होगा। इसके अलावा देशभर में मतदाता पहचान पत्र की व्यवस्था लागू करने का प्रस्ताव है। कानून डाक से मतदान की सुविधा पर भी कड़े प्रतिबंध लगाने की दिशा में है। ट्रंप इसे चुनावी धोखाधड़ी रोकने के लिए जरूरी कदम बताते हैं।

क्या अमेरिका में इस कानून को लेकर सहमति है: सेव अमेरिका एक्ट को लेकर अमेरिका में राजनीतिक सहमति नहीं बन पाई है। रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों दलों के भीतर इस मुद्दे पर मतभेद हैं। ट्रंप लगातार कानून पारित कराने की मांग कर रहे हैं, लेकिन सीनेट में इसे आगे बढ़ाने को लेकर अब तक ठोस कदम नहीं उठे हैं। अगस्त की शुरुआत में अमेरिकी सीनेट पांच सप्ताह के अवकाश पर चली गई थी और कानून को लेकर कोई अंतिम प्रगति नहीं हुई। ऐसे में ट्रंप का भारत का उदाहरण देना उनकी राजनीतिक मुहिम को आगे बढ़ाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

दक्षिण कोरिया को छोड़ उत्तर कोरिया के करीब क्यों जा रहे ट्रंप अमेरिका के सहयोगियों की बढ़ी चिंता

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दक्षिण कोरिया के साथ होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यासों को कम करने का फैसला किया है। इससे केवल लंबे समय से अमेरिका के सहयोगी रहे दक्षिण कोरिया को ठेस नहीं पहुंची है, बल्कि एशिया और दुनिया के दूसरे हिस्सों में अमेरिका के सुरक्षा हितों को लेकर भी बड़ी चिंताएं पैदा हो गई हैं।ट्रंप ने अपने फैसले की वजह बताते हुए कहा कि दक्षिण कोरिया ने ईरान के खिलाफ उनकी लड़ाई में शामिल होने से इनकार कर दिया। उन्होंने अलग-थलग रहने वाले उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन के साथ अपने अच्छे संबंधों का भी जिक्र किया। ट्रंप अक्सर विदेश नीति में फायदे-नुकसान और व्यक्तिगत रिश्तों को ज्यादा अहमियत देते रहे हैं। यही उनके राष्ट्रपति कार्यकाल की एक खास पहचान रही है। जॉर्ज

डब्ल्यू. बुश के राष्ट्रपति कार्यकाल में यूरोपीय मामलों के सहायक विदेश मंत्री रह चुके डैन फ्राइड ने कहा, मुझे इसमें अमेरिका का कोई हित नजर नहीं आता। किसी भी स्तर पर यह समझ में नहीं आता। इससे दक्षिण कोरिया कमजोर होता है, जापान कमजोर होता है, ताइवान डरता है, नाटो चिंतित होता है और चीन को हौसला मिलता है। इतना ही नहीं, उत्तर कोरिया का भी हौसला बढ़ता है। ओबामा प्रशासन में पूर्वी एशिया और प्रशांत क्षेत्र के सहायक विदेश मंत्री रह चुके डैनी रसेल ने कहा कि उत्तर कोरिया के पक्ष में ट्रंप का फैसला ऐसी श्रेणी में आता है, जिसमें यह समझना मुश्किल है कि इससे स्थिति और खराब कैसे हो सकती है। उत्तर कोरिया हर साल होने वाले संयुक्त सैन्य अभ्यासों का कड़ा विरोध करता है। उन्होंने कहा, यह दुखद रूप से पूरी तरह उलटा है। ट्रंप एक सहयोगी को सजा दे रहे हैं और एक विरोधी को बढ़ावा दे रहे हैं।न्यूयॉर्क के एशिया सोसाइटी पॉलिसी इंस्टीट्यूट से जुड़े रसेल ने कहा, ट्रंप अमेरिका और दक्षिण कोरिया की सुरक्षा की कीमत पर किम जोंग उन को नाराज होने से बचा रहे हैं।

दक्षिण कोरिया को इससे क्या संदेश जाता है: रविवार को ट्रंप ने अमेरिकी सेना को 11 दिन चलने वाले उलची फ्रीडम शील्ड सैन्य अभ्यास का आकार छोटा करने का आदेश दिया। यह सैन्य अभ्यास सोमवार को तय समय पर शुरू हो गया। हालांकि, यह साफ नहीं था कि अभ्यास के किन-किन हिस्सों को कम किया जाएगा।ट्रंप के इस एलान से दक्षिण कोरिया में बहुत से लोग आश्चर्यचकित रह गए। दक्षिण कोरिया दशकों से अमेरिका का करीबी सहयोगी रहा है। वहां राष्ट्रीय सुरक्षा को बेहद अहम माना जाता है, क्योंकि उसके सामने परमाणु हथियार रखने वाले उत्तर कोरिया का खतरा मौजूद है।अमेरिकी कांग्रेस (संसद) में कई डेमोक्रेट सांसदों ने भी तुरंत ट्रंप की आलोचना की। न्यूयॉर्क से डेमोक्रेट सांसद और विदेश मामलों की समिति में सबसे बड़े डेमोक्रेट नेता ग्रेग मीक्स ने एक बयान में कहा, अमेरिका के सबसे करीबी सहयोगियों में से एक के साथ विरोधी जैसा व्यवहार करने से हमारे गठबंधन कमजोर होते हैं और चीन तथा उत्तर कोरिया को फायदा मिलता है। सोमवार को ट्रंप ने अपने फैसले का फिर समर्थन किया।

उन्होंने उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की फोन पर बात करते हुए एक तस्वीर पोस्ट की। तस्वीर के साथ लिखा था- हे डोनाल्ड... हम दोनों के बीच सब ठीक है, है नारिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों ही दलों के राष्ट्रपतियों के कार्यकाल के दौरान काम कर चुके सेवानिवृत्त अमेरिकी राजदूत रॉबर्ट वुड ने कहा कि संयुक्त सैन्य अभ्यास उत्तर कोरिया को रोकने के लिए बेहद अहम हैं। उत्तर कोरिया ने अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका के साथ किसी भी बातचीत से दूरी बना रखी है।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 58 आवेदकों की समस्याएं हर आवेदन को गंभीरता से सुना, अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। आमजन की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से मंगलवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में कलेक्टर विकास मिश्रा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे 58 आवेदकों की समस्याएं सीधे सुनीं उन्होंने प्रत्येक आवेदक की बात गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनी तथा संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों का परीक्षण कर नियमानुसार समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जनसुनवाई के दौरान आवेदकों ने अपनी व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक समस्याओं से कलेक्टर को अवगत कराया कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदन को ध्यानपूर्वक देखते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों से प्रकरण की स्थिति की जानकारी ली उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आवेदनों पर केवल औपचारिक कार्रवाई न की जाए बल्कि समस्या के मूल कारण की जांच कर आवेदक को वास्तविक राहत पहुंचाने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं।

समस्या के मूल कारण की जांच के निर्देश: कलेक्टर विकास मिश्रा ने कहा कि जनसुनवाई प्रशासन और आमजन के बीच सीधे संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम है इसमें जिले के दूरस्थ क्षेत्रों से नागरिक अपनी समस्याएं लेकर आते हैं। ऐसे में उनकी शिकायतों को गंभीरता से सुनना और समय पर समाधान उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक आवेदन का परीक्षण करते समय संबंधित तथ्यों और दस्तावेजों की जांच की जाए जिन मामलों में मौके पर जांच आवश्यक हो, वहां संबंधित अधिकारी तत्काल स्थल निरीक्षण कर वास्तविक स्थिति का पता लगाएं। इसके बाद नियमानुसार कार्रवाई करते हुए आवेदक को राहत दिलाई जाए कलेक्टर ने कहा कि आमजन को अपनी समस्या के समाधान के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए विभागीय अधिकारी आवेदनों के निराकरण में तत्परता बरतें। उन्होंने अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा का पालन करने के साथ ही प्रत्येक प्रकरण में जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अधिकारियों से कार्रवाई की जानकारी ली: जनसुनवाई के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनीं उन्होंने संबंधित अधिकारियों से विभिन्न प्रकरणों में की गई कार्रवाई की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों तक तत्काल पहुंचाकर कार्रवाई शुरू की जाए जिन प्रकरणों के निराकरण के लिए अन्य विभागों से समन्वय की आवश्यकता है उनमें आपसी समन्वय स्थापित कर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

जवाबदेही और संवेदनशीलता पर जोर: कलेक्टर ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य केवल आवेदन प्राप्त करना नहीं, बल्कि नागरिकों की समस्याओं का प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है इसलिए अधिकारी प्रत्येक शिकायत को संवेदनशीलता के साथ लें और आवेदक की समस्या का स्थायी समाधान निकालने का प्रयास करें उन्होंने यह भी कहा कि जिन मामलों में तत्काल राहत संभव है, उनमें बिना अनावश्यक देरी के कार्रवाई की जाए अन्य प्रकरणों में नियमानुसार समय-सीमा तय कर निराकरण सुनिश्चित किया जाए कार्रवाई की प्रगति की नियमित समीक्षा भी की जाए ताकि कोई आवेदन लंबित न रहे जनसुनवाई में जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने आवेदकों की समस्याओं को दर्ज किया और संबंधित प्रकरणों में आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिया प्रशासन की ओर से जनसुनवाई के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण को प्राथमिकता देने की बात कही गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज करेंगे मां शारदा लोक फेज-1 का भूमिपूजन

मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 19 अगस्त को मैहर जिले के प्रवास पर रहेंगे निर्धारित कार्यक्रम के तहत मुख्यमंत्री जिले को सड़क, भवन, पेयजल और अधोसंरचना सहित विभिन्न क्षेत्रों में करीब 256 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात देंगे इन परियोजनाओं के लोकार्पण और भूमिपूजन से जिले में विकास कार्यों को गति मिलने के साथ नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होने की उम्मीद है मुख्यमंत्री डॉ. यादव मैहर के उस्ताद अलाउद्दीन खां स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में मां शारदा लोक फेज-1 के कार्यों का भूमिपूजन करेंगे इस परियोजना के प्रथम चरण के कार्यों पर करीब 8.95 करोड़ रुपये की लागत प्रस्तावित है मां शारदा लोक के विकास से मैहर में धार्मिक एवं पर्यटन सुविधाओं के विस्तार को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव करीब 151 करोड़ रुपये की लागत वाले 12 विकास कार्यों का भूमिपूजन करेंगे इनमें विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित नवीन विकास परियोजनाएं शामिल हैं इन कार्यों के पूर्ण होने से जिले की अधोसंरचना मजबूत होने और आमजन को सुविधाएं मिलने की उम्मीद है इसके साथ ही मुख्यमंत्री करीब 105 करोड़ रुपये की लागत वाले 13 पूर्ण हो चुके विकास कार्यों का लोकार्पण भी करेंगे इस तरह कार्यक्रम के माध्यम से मैहर जिले में करीब 251 करोड़ रुपये के नवीन एवं पूर्ण विकास कार्यों की सौगात दी जाएगी प्रशासन की ओर से बताया गया है कि विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से क्षेत्र में विकास गतिविधियों को गति मिलेगी।

महंगाई, रोजगार और एमएसपी समेत 16 सूत्रीय मांगों को लेकर भाकपा का प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी जिला परिषद रीवा ने राष्ट्रीय आह्वान पर 16 सूत्रीय मांगों को लेकर कलेक्ट्रेट के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया। यह आंदोलन पार्टी द्वारा 6 से 14 अगस्त तक आयोजित आठ दिवसीय पदयात्रा के समापन के बाद किया गया प्रदर्शन के पश्चात प्रधानमंत्री के नाम तहसीलदार यतीन्द्र शुक्ला को मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा गया ज्ञापन में महंगाई पर रोक लगाने, प्रत्येक युवा को रोजगार उपलब्ध कराने, मतपत्र प्रणाली बहाल कर लोकतंत्र की रक्षा करने तथा सरकारी शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की गई। पार्टी ने कृषि उपज पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी देने और मजदूरों के अधिकारों की रक्षा की भी मांग उठाई भाकपा ने महिला आरक्षण लागू करने तथा वृद्धावस्था, विधवा, दिव्यांग और निराश्रित पेंशन की राशि 600 रुपये से बढ़ाकर 3 हजार रुपये प्रतिमाह करने की मांग रखी प्रधानमंत्री आवास योजना में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के अंतर को समाप्त करते हुए प्रत्येक पात्र हितग्राही को आवास निर्माण के लिए 5 लाख रुपये की सहायता देने की मांग भी ज्ञापन में शामिल रही पार्टी ने भूमिहीन गरीब और मजदूर परिवारों को उनके वर्षों पुराने आवासों का राजस्व अभिलेख एवं खसरे में दर्ज कर स्थायी पट्टा देने, रासायनिक खाद की कीमतें कम करने और आवारा मवेशियों को गौशालाओं में रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की इसके अलावा तहसील, विकासखंड और विभिन्न विभागों के जिम्मेदार अधिकारियों की मुख्यालय में आवासीय उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग भी उठाई गई पदयात्रा और धरना-प्रदर्शन का नेतृत्व भाकपा जिला सचिव कामरेड गया प्रसाद मिश्रा ने किया। कार्यक्रम में मोतीलाल शुक्ला, सीताराम तिवारी, पंकज सिंह, राजेन्द्र सिंह, भगवानदीन कोरी, भगवानदीन साकेत, कालिका साकेत, श्रीमान साकेत, रामलाल साकेत, महेन्द्र प्रजापति, सूर्यभान प्रजापति, ईश्वरदीन प्रजापति, रमेश गुप्ता, रमेश साकेत, रमेश प्रजापति, बाबूलाल साकेत और सरजू साकेत सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं समर्थक शामिल हुए धरना-प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने मांगों के समर्थन में नारेबाजी की और केंद्र सरकार से मांगों पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक कदम उठाने की अपील की ज्ञापन सौंपने के बाद कार्यक्रम का समापन किया गया।

शराब के नशे में स्कूल परिसर में लेटे शिक्षक का VIDEO वायरल, बच्चों की पढ़ाई पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के रामपुर नैकिन थाना क्षेत्र के ग्राम रिमारी स्थित प्राथमिक स्कूल में पदस्थ शिक्षक अवध सिंह का कथित तौर पर शराब के नशे में स्कूल परिसर में लेटे होने का वीडियो सामने आया है। वीडियो वायरल होने के बाद ग्रामीणों और अभिभावकों में नाराजगी बढ़ गई है। ग्रामीणों ने शिक्षक के व्यवहार पर सवाल उठाते हुए शिक्षा व्यवस्था पर भी चिंता जताई है जानकारी के अनुसार स्थानीय निवासी वीरेंद्र सिंह ने बताया कि वीडियो सोमवार का है वीडियो में स्कूल के कुछ बच्चे शिक्षक के संबंध में बताते हुए नजर आ रहे हैं। बच्चों का आरोप है कि शिक्षक अक्सर खेत की ओर जाकर शराब पीते हैं और इसके बाद स्कूल आकर सो जाते हैं हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी ग्रामीणों के मुताबिक रिमारी के प्राथमिक स्कूल में करीब 30 बच्चे दर्ज हैं स्कूल में नियमित शिक्षक अवध सिंह के अलावा एक अतिथि शिक्षक भी पदस्थ हैं ग्रामीणों का आरोप है कि शिक्षक के कथित नशे में स्कूल आने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है और स्कूल का शैक्षणिक माहौल खराब हो रहा है। स्थानीय निवासी विनय पांडे ने बताया कि उनकी भतीजी भी कक्षा दूसरी में पढ़ती है लेकिन शिक्षक के कथित व्यवहार के कारण वे उसे नियमित रूप से स्कूल नहीं भेज रहे हैं उनका कहना है कि यदि स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो अगले शैक्षणिक सत्र में बच्ची का दाखिला दूसरे स्कूल में कराने पर विचार करेंगे ग्रामीणों का कहना है कि शिक्षक के कथित रवैये से बच्चों में स्कूल के प्रति रुचि कम हो रही है उन्होंने शिक्षा विभाग से मामले की निष्पक्ष जांच कराने और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित शिक्षक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने की मांग की है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि मामले की जानकारी सामने आने के बावजूद अब तक कोई अधिकारी मौके पर जांच करने नहीं पहुंचा है उनका कहना है कि बच्चों की शिक्षा से जुड़े मामले में विभाग को गंभीरता से कार्रवाई करनी चाहिए मामले को लेकर डीपीसी विनय मिश्रा ने कहा कि केवल वीडियो के आधार पर तत्काल निलंबन की कार्रवाई नहीं की जा सकती उन्होंने बताया कि वैधानिक प्रक्रिया के तहत शिकायत आवेदन मिलने के बाद मामले की जांच कराई जाएगी जांच में आरोप सही पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

शहडोल में पंच सम्मेलन को लेकर विवाद, विधायक ने छोड़ा कार्यक्रम; सरपंच-पंचों ने किया बहिष्कार

व्यवस्थाओं से नाराज जनप्रतिनिधि कलेक्ट्रेट पहुंचे, कलेक्टर ने सुनी शिकायतें

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल में सोमवार को आयोजित जिला स्तरीय पंच सम्मेलन व्यवस्थाओं को लेकर विवादों में घिर गया जयसिंहनगर विधायक मनीषा सिंह कार्यक्रम स्थल की व्यवस्थाओं से नाराज होकर सम्मेलन से बाहर निकल गईं इसके बाद बड़ी संख्या में सरपंच, उपसरपंच, पंच और जनपद सदस्य भी सम्मेलन का बहिष्कार कर कलेक्ट्रेट पहुंच गए और धरना-प्रदर्शन किया मामला जनपद पंचायत सोहागपुर में आयोजित 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण' प्रशिक्षण सह जिला स्तरीय पंच सम्मेलन का है। सम्मेलन में जिलेभर से बड़ी संख्या में निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों के शामिल होने की व्यवस्था की गई थी कार्यक्रम का उद्देश्य पंचायत प्रतिनिधियों को ग्रामीण रोजगार और आजीविका से जुड़े मिशन की जानकारी देना था।

कार्यक्रम के दौरान बैठक व्यवस्था और अन्य इंतजामों को लेकर जनप्रतिनिधियों ने असंतोष जताया। उनका आरोप था कि सम्मेलन में शामिल होने पहुंचे पंचायत प्रतिनिधियों के लिए पर्याप्त और उचित व्यवस्थाएं नहीं की गई थीं इसी दौरान जयसिंहनगर विधायक मनीषा सिंह ने भी कार्यक्रम की व्यवस्थाओं पर नाराजगी व्यक्त की वायरल वीडियो में विधायक को कार्यक्रम स्थल से बाहर निकलते हुए देखा जा रहा है उनके सम्मेलन छोड़कर जाने के बाद अन्य पंचायत प्रतिनिधियों में भी नाराजगी बढ़ गई सरपंच, उपसरपंच, पंच और जनपद सदस्यों ने एकजुट होकर सम्मेलन का बहिष्कार करने का निर्णय लिया।

मऊगंज में 24 घंटे सक्रिय रहेगा जिला स्तरीय कंट्रोल रूम

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले में अतिवृष्टि, बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से निपटने तथा आपात स्थिति में सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान के लिए कलेक्ट्रेट में जिला स्तरीय कंट्रोल रूम शुरू किया गया है कंट्रोल रूम 24 घंटे संचालित रहेगा यहां तैनात अधिकारी और कर्मचारी जिले में वर्षा की स्थिति एवं प्राकृतिक आपदाओं से संबंधित सूचनाओं की निगरानी कर वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल अवगत कराएंगे अपर कलेक्टर पीके पाण्डेय ने बताया कि जिला स्तरीय कंट्रोल रूम का प्रभारी अधिकारी डिप्टी कलेक्टर रश्मि चतुर्वेदी को बनाया गया है सहायक प्रभारी के रूप में शिवप्रसाद नामदेव, एएसएलआर को जिम्मेदारी सौंपी गई है उनके सहयोग के लिए कम्प्यूटर ऑपरेटर अमित कुमार साकेत को तैनात किया गया है। कंट्रोल रूम का दूरभाष नंबर 07663-299164 जारी किया गया है। जिले में अतिवृष्टि, बाढ़ अथवा अन्य प्राकृतिक आपदा से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचना इस नंबर पर दी जा सकती है।

तीन पालियों में होगी ड्यूटी: कंट्रोल रूम में कर्मचारियों की ड्यूटी तीन पालियों में लगाई गई है। सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक रामबहादुर तिवारी, हैंडपंप मैकेनिक रामजी तिवारी और श्रमिक चन्द्रभूषण प्रसाद द्विवेदी की ड्यूटी रहेगी।

जनसुनवाई में सुनी गई 47 आवेदकों की समस्याएं, अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जनसुनवाई में अपर कलेक्टर पी.के. पाण्डेय सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों ने आमजन की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 47 आवेदन प्राप्त हुए अपर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक आवेदन का परीक्षण कर नियमानुसार त्वरित एवं समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें साथ ही आवेदकों को उनके आवेदन पर की गई कार्रवाई की जानकारी देने के भी निर्देश दिए जनसुनवाई में ग्राम पंडित पुरवा निवासी रामचंद्र रजक ने अवरुद्ध रास्ते को बहाल कराने का आवेदन दिया मामले में अपर कलेक्टर ने नायब तहसीलदार को स्थल निरीक्षण कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। ग्राम अटरिया निवासी अखिलेश कुमार पटेल ने अधिक विद्युत बिल आने की शिकायत दर्ज कराई अपर कलेक्टर ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए वहीं मऊगंज निवासी ऋषभ पटेल ने टूटे हुए विद्युत पोल को नहीं बदले जाने की समस्या रखी इस पर संबंधित अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार नैतिक केसरवानी ने स्कूल द्वारा जारी स्थानांतरण प्रमाण-पत्र में पिता का नाम गलत दर्ज होने और सही दस्तावेज प्रस्तुत करने के बावजूद संशोधन नहीं किए जाने की शिकायत की मामले में शिक्षा विभाग के अधिकारियों को दस्तावेजों का परीक्षण कर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

छात्रसंघ चुनाव बहाल करने की मांग को लेकर NSUI का पैदल मार्च, प्रत्यक्ष प्रणाली से चुनाव कराने की मांग, मानस भवन से एसडीएम कार्यालय तक निकाला मार्च

मीडिया ऑडीटर,रीवा (निप्र)। छात्रसंघ चुनाव बहाल करने और प्रत्यक्ष प्रणाली से चुनाव कराने की मांग को लेकर भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (NSUI) ने रीवा में पैदल मार्च निकाला मध्यप्रदेश NSUI के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे के रीवा दौरा कार्यक्रम के तहत आयोजित बैठक के बाद NSUI एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी संख्या में छात्रों ने मानस भवन से एसडीएम कार्यालय तक मार्च किया। इसके बाद छात्रहित से जुड़ी मांगों को लेकर एसडीएम कार्यालय में ज्ञापन सौंपा गया।

कार्यक्रम का आयोजन NSUI जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में किया गया। बैठक में कांग्रेस एवं NSUI के वरिष्ठ नेताओं, युवा कांग्रेस पदाधिकारियों, NSUI कार्यकर्ताओं तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान छात्रसंघ चुनाव सहित छात्रहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

प्रत्यक्ष प्रणाली से चुनाव की मांग: बैठक में छात्रसंघ चुनाव को लेकर संगठन की ओर से प्रत्यक्ष प्रणाली से चुनाव कराने की मांग प्रमुखता से उठाई गई वक्ताओं ने कहा कि छात्रसंघ चुनाव विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं चुनाव के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने प्रतिनिधि चुनने का अवसर मिलता है और उनमें नेतृत्व क्षमता विकसित होती है। NSUI नेताओं ने कहा कि लंबे समय से छात्रसंघ चुनाव नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को अपने प्रतिनिधि चुनने का अवसर नहीं मिल पा रहा है संगठन ने सरकार से छात्रसंघ चुनाव जल्द बहाल करने और उन्हें प्रत्यक्ष प्रणाली के माध्यम से आयोजित कराने की मांग की।

मानस भवन से निकला पैदल मार्च: बैठक समाप्त होने के बाद NSUI और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ छात्रों ने मानस भवन से एसडीएम कार्यालय तक पैदल मार्च किया मार्च के दौरान छात्रसंघ चुनाव बहाल करने और प्रत्यक्ष प्रणाली से चुनाव कराने की मांग को लेकर नारे लगाए गए। कार्यकर्ताओं ने छात्र हितों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए शासन से जल्द निर्णय लेने की मांग की एसडीएम कार्यालय पहुंचने के बाद प्रतिनिधिमंडल ने छात्रहित से संबंधित मांगों का ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक अधिकार और प्रतिनिधित्व का अवसर देने के लिए छात्रसंघ चुनाव शीघ्र आयोजित कराने की मांग की गई साथ ही चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराने की मांग रखी गई, ताकि विद्यार्थी स्वयं अपने प्रतिनिधियों का चयन कर सकें कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजेन्द्र शर्मा, शहर कांग्रेस अध्यक्ष अशोक पटेल 'झब्बू', रीवा महापौर अजय मिश्रा 'बाबा', प्रदेश महासचिव गुरमीत सिंह 'मंगू', पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मंजुल त्रिपाठी, कार्यकारी अध्यक्ष गिरीश सिंह और पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष अनिल मिश्रा सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

संत रविदास समरसता संकल्प यात्रा के लिए नोडल अधिकारी तैनात

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जन्म जयंती के अवसर पर रीवा जिले में गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यात्रा 20 अगस्त से शुरू होकर 10 सितंबर तक जिले के विभिन्न क्षेत्रों से होकर गुजरेगी यात्रा के सफल आयोजन और आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए जिला एवं विकासखंड स्तर पर नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि समरसता संकल्प यात्रा के लिए अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी को जिला स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है उन्हें यात्रा से संबंधित विभिन्न व्यवस्थाओं की निगरानी और विभागों के बीच समन्वय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यात्रा की व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए संबंधित विकासखंडों में भी अधिकारियों को नोडल अधिकारी बनाया गया है जनपद पंचायत रीवा की मुख्य कार्यपालन अधिकारी पूनम दुबे को रीवा विकासखंड की जिम्मेदारी दी गई है इसी प्रकार प्रदीप दुबे को रायपुर कर्चुलियान, प्राची चौबे को सिरमौर एवं गंगेव, सुलभ सिंह पुशाम को जवा तथा प्रवीण वंशोर को त्योंथर विकासखंड का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है सभी विकासखंड स्तरीय नोडल अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में यात्रा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं इनमें यात्रा के मार्ग, कार्यक्रम स्थलों और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं के साथ संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित करना शामिल है।

विदेशी निवेश और नई डिपॉजिट स्कीम

हालांकि विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) अचानक देश से बाहर नहीं जा सकता, लेकिन एफडीआई के मुनाफे, डिविडेंड, ब्याज, सैलरी, रॉयल्टी और टेक्निकल फीस के रूप में पैसे बहिर्गमन की एक बड़ी देनदारी भी बनाता है...

जब विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से तेजी से पैसा निकालना शुरू किया और 2026 की पहली छमाही में सिर्फ छह महीनों के अंदर लगभग 30 अरब अमरीकी डॉलर देश से निकाल, बाहर ले गए, उससे भारतीय रुपए पर भारी दबाव पड़ा। इस वर्ष के प्रारंभ से, जून 2026 तक रुपया 89.5 रुपए प्रति डॉलर से गिरकर 94.18 रुपए प्रति डॉलर हो गया, यानी इसमें 5.23 प्रतिशत की गिरावट आई। ऐसे में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने बैंकों के लिए एक आकर्षक प्रस्ताव दिया और एक्सचेंज रेट रिस्क (विनिमय दर के जोखिम) के खिलाफ करेंसी हेजिंग की लागत को स्वयं वहन करना तय किया। इस नए प्रावधान का फायदा उठाते हुए, बैंकों ने डॉलर डिपॉजिट पर मिलने वाले ब्याज को तेजी से बढ़ाया- पहले यह लगभग 3 से 4 प्रतिशत था, जिसे बढ़ाकर 3-5 साल की योग्य जमाओं (डिपॉजिट्स) के लिए 6 से 7 प्रतिशत या उससे ज्यादा कर दिया गया। अनिवासी भारतीयों ने इस पर उत्साह दिखाया और रिजर्व बैंक की स्पेशल स्वैप सुविधा के तहत विदेशी मुद्रा का अंतरप्रवाह प्रवाह सिर्फ दो हफ्तों में लगभग दोगुना हो गया। यह 17 जुलाई को 20.718 अरब अमरीकी डॉलर था जो 31 जुलाई तक बढ़कर 40.816 अरब अमरीकी डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक के ताजा आंकड़ों के अनुसार,

संपादकीय

अकेले विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंक डिपॉजिट्स का हिस्सा 36.725 अरब अमरीकी डॉलर था, और बाकी लगभग 4 अरब अमरीकी डॉलर विदेशी मुद्रा में लिए गए कर्ज और विदेशी बाजार ऋण से आए। एफसीएनआर में हुई इस अचानक बढ़ोतरी से हमारे विदेशी मुद्रा भंडार को फिर से बढ़ने में निश्चित रूप से मदद मिली है। जुलाई 2026 के अंत तक विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 692.9 अरब अमरीकी डॉलर हो गया, जबकि मई 2026 के अंत में यह गिरकर 666.93 के निचले स्तर पर आ गया था- यानी सिर्फ दो महीनों में इसमें 25.9 अरब अमरीकी डॉलर की बढ़ोतरी हुई। रिजर्व बैंक की मौजूदा स्वैप स्कीम की खासियत यह है कि जब यह बैंकों को करेंसी जोखिम से मुक्त करती है, रिजर्व बैंक पर लगभग कोई खर्च नहीं आता। चूंकि रिजर्व बैंक विदेशी मुद्रा भंडार का कस्टोडियन है, इसलिए जब भी एफसीएनआर बैंक डिपॉजिट से पैसे निकाले जाते हैं, तो वह अपने विदेशी मुद्रा भंडार से भुगतान कर सकता है, यह भंडार पहले इन्हीं एफसीएनआर डिपॉजिट से बढ़ाया गया था। हम समझ सकते हैं कि जब विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने बाहर का रुख किया तो रुपए में तेजी से अवमूल्यन प्रारंभ हो गया। ऐसी स्थिति से निपटने के लिए रिजर्व बैंक द्वारा नई स्वैप स्कीम की मदद से अनिवासी भारतीयों से बड़ी जमा प्राप्त करना संभव हो पाया। विदेशी निवेश सही या अनिवासी भारतीयों की जमा : पिछले 26 सालों में, अगर हम एक तरफ विदेशी निवेश (जिसमें विदेशी प्रत्यक्ष और पोर्टफोलियो निवेश दोनों शामिल हैं) और दूसरी तरफ अनिवासी भारतीयों द्वारा भेजी गई कुल रकम (रेमिटेंस) की तुलना करें, तो पाते हैं कि देश को वर्ष 2000-01 से 2025-26 तक कुल 1166.4 अरब अमरीकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और 295.7 अरब अमरीकी डॉलर का निवल पोर्टफोलियो निवेश प्राप्त हुआ।

वंदे मातरम साझा विरासत है, इसके भाव को समझना जरूरी

डॉ.अरविंद नाथ तिवारी

स्वतंत्रता दिवस केवल तिरंगा फहराने और राष्ट्रगान गाने का अवसर नहीं है, बल्कि यह उन संघर्ष, बलिदान और राष्ट्रीय प्रतीकों को स्मरण करने का दिन भी है, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता की चेतना को मजबूत किया। इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कांग्रेस मुख्यालय में 'वंदे मातरम' के पूर्ण संस्करण के गायन को लेकर जिस प्रकार का राजनीतिक विवाद सामने आया है, उसने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि राष्ट्रभक्ति के प्रतीकों को राजनीति से कितना अलग रखा जा सकता है। 15 अगस्त को कांग्रेस मुख्यालय में 'वंदे मातरम' के पूर्ण गायन के दौरान सोनिया गांधी की कुछ गतिविधियों को भाजपा नेताओं ने गीत को रोकने अथवा उसके पूर्ण गायन पर आपत्ति के रूप में प्रस्तुत किया। कांग्रेस ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि ऐसा कोई प्रयास नहीं था और संबंधित हाव-भाव का अर्थ अलग था। इसलिए उपलब्ध वीडियो और बयानों के आधार पर यह कहना जल्दबाजी होगी कि किसी नेता ने जानबूझकर राष्ट्रगीत का अपमान किया,लेकिन विवाद का दूसरा पक्ष अधिक महत्वपूर्ण है–क्या 'वंदे मातरम' का पूरा गायन होना चाहिए? इसका उत्तर भावनात्मक राजनीति से नहीं, बल्कि इतिहास और संवैधानिक परंपरा के आधार पर तलाशना चाहिए। 'वंदे मातरम' बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय की रचना है और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में इसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। इस गीत ने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध राष्ट्रीय चेतना जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वतंत्र भारत में 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने स्पष्ट किया था कि 'जन गण मन' राष्ट्रगान रहेगा और 'वंदे मातरम' कोडॉ.अरविंद नाथ तिवारी भी समान सम्मान दिया जाएगा। यहां एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तथ्य समझना जरूरी है। 'वंदे मातरम' की पूरी रचना और सार्वजनिक समारोहों में प्रचलित इसके पहले दो पदों में अंतर है। ऐतिहासिक और सामाजिक कारणों से कांग्रेस ने 1937 में सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए इसके पहले दो पदों को स्वीकार किया था। इसलिए आज यदि कोई राजनीतिक दल पहले दो पदों का गायन करता है, तो उसे सीधे राष्ट्रगीत के अपमान के रूप में देखना इतिहास की जटिलता को नजरअंदाज करना होगा। दूसरी ओर, वर्तमान केंद्र सरकार ने 2026 में 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर इसके छह पदों वाले पूर्ण संस्करण को व्यापक रूप से प्रस्तुत करने की पहल की है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अनुसार, 26 मार्च 2026 से आकाशवाणी के प्रसारण में छह पदों वाला संस्करण शामिल किया गया, जिसकी अवधि लगभग 3 मिनट 10 सेकंड है। सरकार ने इस वर्ष देशभर में पूर्ण संस्करण के सामूहिक गायन और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी प्रोत्साहित किया है। इसलिए पूर्ण 'वंदे मातरम' का गायन अपने आप में न तो गलत है और न ही असंवैधानिक। बल्कि उचित सम्मान और गरिमा के साथ इसका गायन राष्ट्रीय चेतना को मजबूत कर सकता है। समस्या तब पैदा होती है ,जब किसी राष्ट्रीय प्रतीक को किसी एक राजनीतिक दल की विचारधारा या दूसरे दल के विरुद्ध राजनीतिक हथियार बना दिया जाता है। इस विवाद में सत्ता पक्ष का तर्क है कि 'वंदे मातरम' स्वतंत्रता संग्राम का अमूल्य प्रतीक है, इसलिए इसके पूर्ण गायन में बाधा डालना राष्ट्रभावना का अपमान है। यह तर्क भावनात्मक रूप से प्रभावशाली है। दूसरी ओर, विपक्ष यह कह सकता है कि किसी व्यक्ति के हाव-भाव या कुछ सेकंड के वीडियो के आधार पर उसकी देशभक्ति पर सवाल उठाना उचित नहीं है। कांग्रेस ने भी यही स्पष्टीकरण दिया है कि गीत को रोकने का प्रयास नहीं किया गया था। मेरी दृष्टि में दोनों पक्षों के बीच वास्तविक बहस यहीं से शुरू होनी चाहिए। राष्ट्रभक्ति को किसी पार्टी की संपत्ति नहीं बनाया जा सकता। 'वंदे मातरम' केवल भाजपा का नहीं है, कांग्रेस का भी नहीं है और किसी अन्य दल का भी नहीं है। यह भारत के स्वतंत्रता आंदोलन की साझा विरासत है। जिस प्रकार तिरंगा किसी दल का झंडा नहीं है, उसी प्रकार राष्ट्रगीत भी किसी राजनीतिक संगठन की पहचान नहीं हो सकता।

भगवान के दरबार में भी वीआईपी और 'पैसे' से जल्दी दर्शन क्यों .....?

इस पूरे प्रकरण का दूसरा और शायद अधिक संवेदनशील पहलू है वीआईपी दर्शन। यदि कोई मंदिर प्रशासन अत्यधिक भीड़ को नियंत्रित करने के लिए विधिवत, पारदर्शी और सभी के लिए उपलब्ध विशेष दर्शन टिकट रखता है, तो उस व्यवस्था पर अलग से बहस हो सकती है। लेकिन प्रश्न तब उठता है जब किसी व्यक्ति की राजनीतिक, आर्थिक या सामाजिक हैसियत के कारण उसे सामान्य श्रद्धालुओं से अलग प्राथमिकता मिलती है। भगवान के सामने मनुष्य की पहचान उसका पद, पैसा या प्रभाव नहीं होनी चाहिए। जो व्यक्ति पांच घंटे कतार में खड़ा है और जिसके पीछे हजारों अन्य श्रद्धालु खड़े हैं, उसके सामने अचानक कोई प्रभावशाली व्यक्ति आता है और उसे कुछ ही मिनटों में दर्शन करा दिया जाता है, तो सामान्य श्रद्धालु के मन में स्वाभाविक रूप से यह प्रश्न पैदा होता है - क्या भगवान के दरबार में भी आदमी की कीमत उसके पद और पहुंच से तय होगी? हाल ही में मद्रास उच्च न्यायालय की ओर से वीआईपी दर्शन की व्यवस्था पर भी गंभीर टिप्पणी सामने आई और इसे भेदभावपूर्ण बताया गया। यह टिप्पणी केवल किसी एक मंदिर की व्यवस्था पर नहीं, बल्कि हमारी धार्मिक व्यवस्था के सामने खड़े एक बड़े नैतिक प्रश्न की ओर संकेत करती है।

सुरेश सिंह बैस

भारत केवल मंदिरों का देश नहीं है, यह आस्था का देश है। यहां तीर्थयात्रा केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मिक शांति, विश्वास और ईश्वर के प्रति समर्पण की यात्रा मानी जाती है। देश के बड़े-बड़े मंदिरों में प्रतिदिन हजारों-लाखों श्रद्धालु इसी विश्वास के साथ पहुंचते हैं कि कुछ क्षण भगवान के सम्मुख खड़े होकर अपने जीवन की पीड़ा, प्रार्थना और कृतज्ञता अर्पित कर सकें।

लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि अनेक प्रसिद्ध तीर्थस्थलों पर भीड़ और लंबी कतारों के बीच एक ऐसा समानांतर तंत्र दिखाई देने लगा है, जिसमें कुछ लोग श्रद्धालुओं को यह कहकर आकर्षित करते हैं–'लाइन में क्यों खड़े हैं, जल्दी दर्शन करा देंगे।' इसके बाद शुरू होती है सौदेबाजी– '1100 लगेंगे', '900 में करा देंगे', '800 दे दीजिए।' सवाल यह है कि आखिर यह व्यवस्था किसकी अनुमति से चल रही है? यहां यह स्पष्ट करना जरूरी है कि हर मंदिर में अधिकृत शुल्क वाली शीघ्र या विशेष दर्शन व्यवस्था को अवैध कहना उचित नहीं होगा। समस्या उस समय पैदा होती है, जब मंदिर की निर्धारित व्यवस्था के बाहर कोई व्यक्ति या बिचौलिया नकद पैसे लेकर दर्शन कराने का दावा करे और श्रद्धालु को यह पता ही न हो कि वह अधिकृत सेवा ले रहा है या ठगी का शिकार हो रहा है।

आस्था और मजबूरी के बीच बिचौलियों का बाजार

मैंने स्वयं ऐसे अनुभव देखे और झेले हैं। कई श्रद्धालुओं ने भी इस प्रकार की शिकायतें मेरे सामने रखी हैं। हाल ही में मेरे एक मित्र, जो गुजरात के गांधीधाम में रहते हैं, मनु भाई ने अपना अनुभव बताते हुए कहा कि वे द्वारकाधीश मंदिर पहुंचे। लंबी कतार देखकर उनकी हिम्मत जवाब देने लगी। उम्र के इस पड़ाव पर घंटों खड़े रहना उनके लिए कठिन था। इसी बीच एक व्यक्ति ने उनसे जल्दी दर्शन कराने के नाम पर 1100 रुपये मांगे और अंततः 800 रुपये में सौदा तय हुआ। यह अनुभव केवल एक व्यक्ति की परेशानी मानकर नजरअंदाज कर देना आसान है, लेकिन यदि ऐसी शिकायतें अलग-अलग तीर्थस्थलों से लगातार सामने आती हैं तो प्रशासन के लिए यह गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। दिसंबर 2024 में द्वारका क्षेत्र में वायरल वीडियो को लेकर ऐसी खबरें भी सामने आई थीं, जिनमें एजेंटों द्वारा पैसे लेकर 'ड्ढक्कदर्शन' कराने के दावे किए गए थे। एक रिपोर्ट में 1100 रुपये मांगने और बाद में रकम कम करने की बातचीत का भी उल्लेख था। इससे यह सवाल और गंभीर हो जाता है कि यदि किसी मंदिर में अधिकृत दर्शन व्यवस्था है तो उसके नाम पर अनधिकृत बिचौलिये कैसे सक्रिय हो जाते हैं?

अदालतों ने भी उठाया है सवाल

यह समस्या केवल श्रद्धालुओं की शिकायतों तक सीमित नहीं है। तमिलनाडु में मंदिरों से संबंधित मामलों में मद्रास उच्च न्यायालय को भी अवैध वसूली और बिचौलियों की भूमिका पर हस्तक्षेप करना पड़ा है। अगस्त 2025 में मद्रास उच्च न्यायालय ने तिरुचेंदूर सुब्रमण्यम स्वामी मंदिर में श्रद्धालुओं से कम प्रतीक्षा समय में दर्शन कराने के नाम पर अनधिकृत व्यक्तियों द्वारा पैसे लेने के मामले में कार्रवाई के निर्देश दिए थे। अदालत ने पुलिस और मंदिर प्रशासन को ऐसे बिचौलियों के विरुद्ध कार्रवाई करने को कहा। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि तमिलनाडु के मंदिरों के संदर्भ में न्यायालय ने स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए कि मंदिरों में बिचौलियों द्वारा श्रद्धालुओं से धन वसूलने की अनुमति नहीं होनी चाहिए तथा मंदिर की सेवाओं के लिए भुगतान मंदिर प्रशासन के माध्यम से और उचित रसीद के साथ होना चाहिए। अर्थात समस्या काल्पनिक नहीं है। देश के कुछ मंदिरों में ऐसी अनियमितताओं को लेकर प्रशासन और न्यायपालिका को भी हस्तक्षेप करना पड़ा है।

'कैश फॉर दर्शन' पर कार्रवाई का उदाहरण

मई 2026 में तिरुचेंदूर मंदिर में निरीक्षण के दौरान एक पुजारी द्वारा दर्शन के लिए कथित रूप से 1,000 रुपये मांगने का मामला सामने आया। रिपोर्ट के अनुसार उस समय मंदिर प्रशासन ने भीड़ के दौरान समान और निःशुल्क दर्शन सुनिश्चित करने के लिए भुगतान आधारित दर्शन व्यवस्था रोक रखी थी। मामले की जांच शुरू की गई। जुलाई 2026 में तमिलनाडु के हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के मंत्री ने भी मंदिरों में अवैध धन वसूली और अन्य अनियमितताओं की शिकायतें प्रमाण सहित देने की अपील की थी। इससे एक बात साफ होती है, समस्या को नकारने के बजाय उसे स्वीकार कर उसके विरुद्ध पारदर्शी व्यवस्था बनाना ही समाधान है।

काशी में भी सामने आया कथित दर्शन ठगी का मामला

फरवरी 2026 में वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर में कथित रूप से पुजारी बनकर श्रद्धालुओं को जल्दी दर्शन कराने के नाम पर पैसे लेने वाले आठ लोगों की गिरफ्तारी की खबर सामने आई। रिपोर्ट के अनुसार श्रद्धालुओं की शिकायतों और छ्ष्ट्ठञ्जङ्क के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की। यह उदाहरण बताता है कि जब मंदिरों में भीड़ बढ़ती है और श्रद्धालु जल्दी दर्शन की इच्छा में असहाय महसूस करता है, तब ठगी करने वालों के लिए एक पूरा अवसर पैदा हो जाता है।

मंदिर श्रद्धा का केंद्र है, सुविधा का बाजार नहीं

मंदिरों में व्यवस्थाओं के लिए शुल्क लिया जाना अपने आप में गलत नहीं है। मंदिरों का रखरखाव, सुरक्षा, स्वच्छता, प्रसाद, विशेष पूजा और अन्य व्यवस्थाएं धन मांगती हैं। लेकिन शुल्क और अवैध वसूली के बीच स्पष्ट सीमा होना जरूरी है।

यदि कोई सेवा अधिकृत है तो-

- उसका शुल्क मंदिर प्रशासन तय करे।
- शुल्क स्पष्ट रूप से प्रदर्शित हो।
- ऑनलाइन अथवा अधिकृत काउंटर से टिकट मिले।
- श्रद्धालु को रसीद मिले।
- किसी पुजारी या निजी व्यक्ति को मनमाना पैसा लेने की अनुमति न हो।
- किसी भी प्रकार के 'बिना रसीद दर्शन' पर तत्काल कार्रवाई हो। मंदिर परिसर के बाहर और भीतर स्पष्ट बोर्ड लगे हों - 'किसी व्यक्ति को दर्शन कराने के नाम पर नकद राशि न दें। केवल अधिकृत काउंटर/वेबसाइट से ही सेवा प्राप्त करें।'

तमिलनाडु के संदर्भ में न्यायालय द्वारा भी मंदिर सेवाओं को प्रशासन के अधिकृत माध्यम से देने और बिचौलियों को रोकने पर जोर दिया जा चुका है। उम्रदराज और दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए अलग व्यवस्था हो।

इस समस्या का मानवीय समाधान भी संभव है।

हर मंदिर में बुजुर्गों, दिव्यांगों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर रूप से अस्वस्थ श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क या अत्यंत नाममात्र शुल्क की सुव्यवस्थित दर्शन सुविधा होनी चाहिए। मेरे मित्र की समस्या का समाधान किसी बिचौलिए को 800 रुपये देना नहीं होना चाहिए था। समाधान यह होना चाहिए कि मंदिर प्रशासन स्वयं ऐसे श्रद्धालुओं के लिए सम्मानजनक और पारदर्शी व्यवस्था उपलब्ध कराए। भगवान के दर्शन किसी की मजबूरी का सौदा नहीं बन सकते।

जनप्रतिनिधि और प्रशासन की जिम्मेदारी: सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि मंदिरों के आसपास बिचौलिये खुलेआम श्रद्धालुओं से पैसे मांगते हैं तो स्थानीय प्रशासन को इसकी जानकारी क्यों नहीं होती? क्या वहां CCTV नहीं हैं? क्या पुलिस और मंदिर सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी नहीं होती? क्या मंदिर प्रशासन को शिकायतें नहीं मिलतीं? क्या किसी भी व्यक्ति को मंदिर के नाम पर पैसा लेने का अधिकार है? और यदि नहीं है, तो ऐसे लोगों पर लगातार कार्रवाई क्यों नहीं होती?जनप्रतिनिधियों की भी जिम्मेदारी है कि वे मंदिरों में जाकर केवल पूजा-अर्चना ही न करें, बल्कि आम श्रद्धालुओं की समस्याएं भी देखें। जिस व्यक्ति ने उन्हें जनप्रतिनिधि बनाया है, उसके लिए मंदिर की कतार में सम्मानजनक और समान दर्शन की व्यवस्था सुनिश्चित करना भी जनसेवा का हिस्सा है।

समाधान कठिन नहीं है

इस समस्या को समाप्त करने के लिए बड़े-बड़े भाषणों की नहीं, कुछ ठोस कदमों की आवश्यकता है।पहला - प्रत्येक मंदिर में अधिकृत दर्शन शुल्क और सभी सेवाओं की सूची सार्वजनिक की जाए।दूसरा - मंदिर परिसर में 'नो टाउट जोन' घोषित किया जाए।तीसरा - बिचौलियों की पहचान के लिए CCTV निगरानी और सादे कपड़ों में निगरानी दल लगाए जाएं।चौथा- दर्शन के नाम पर अवैध वसूली की शिकायत के लिए 24 घंटे हेल्पलाइन और ऑनलाइन शिकायत व्यवस्था हो।पांचवां -शिकायत सिद्ध होने पर केवल बिचौलिए ही नहीं, बल्कि यदि किसी कर्मचारी या अधिकृत व्यक्ति की मिलीभगत मिले तो उसके विरुद्ध भी कठोर कार्रवाई हो।छठा - वीआईपी अथवा विशेष दर्शन की व्यवस्था हो तो उसके स्पष्ट नियम सार्वजनिक किए जाएं और उसका दुरुपयोग रोकने के लिए रिकॉर्ड रखा जाए।सातवां- बुजुर्ग, दिव्यांग और असहाय श्रद्धालुओं के लिए अलग मानवीय व्यवस्था बनाई जाए।आठवां-मंदिरों की दर्शन व्यवस्था का समय-समय पर स्वतंत्र सामाजिक ऑडिट कराया जाए। आस्था को बाजार बनने से बचाना होगा भारत के मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र हैं। यहां आने वाला श्रद्धालु केवल ग्राहक नहीं होता। वह अपनी श्रद्धा लेकर आता है। उसकी आंखों में भगवान के दर्शन की इच्छा होती है और हृदय में विश्वास। इस विश्वास को यदि कोई व्यक्ति भीड़, मजबूरी और आस्था का फायदा उठाकर पैसे में बदलता है तो यह केवल आर्थिक अनियमितता नहीं, बल्कि आस्था के साथ विश्वासघात है। भगवान के दरबार में कोई गरीब इसलिए पीछे न रह जाए कि वह 1100 रुपये नहीं दे सकता और कोई प्रभावशाली व्यक्ति इसलिए आगे न निकल जाए कि उसके पास पहुंच है। यही एक आदर्श धार्मिक व्यवस्था की पहचान होनी चाहिए।मंदिरों में भीड़ होगी, कतारें होंगी, व्यवस्थागत कठिनाइयां भी होंगी। लेकिन समाधान 'पैसे दो और लाइन से निकलो' नहीं हो सकता।

फिर से पटरी पर आता बंगाल

किसी सरकार के जीवन में सौ दिन बहुत लंबा समय नहीं होता, लेकिन सौ दिन यह बताने के लिए पर्याप्त होते हैं कि सरकार की नीयत क्या है, नीति क्या है और दिशा क्या है। पश्चिम बंगाल की नई सरकार के पहले सौ दिन इसी कसौटी पर देखे जाने चाहिए। इन सौ दिनों में सबसे बड़ा परिवर्तन बंगाल के माहौल में दिखाई देता है। लंबे समय बाद बंगाल में आम आदमी यह महसूस कर रहा है कि सरकार केवल सत्ता का प्रतिष्ठान नहीं, उसकी अपनी सरकार भी है। कानून सबके लिए है। प्रशासन को जवाबदेही तय करनी होगी। बंगाल लंबे समय तक राजनीतिक हिंसा, टकराव और भय की खबरों से पहचाना जाता रहा।

के के उपाध्याय

गांव से शहर तक राजनीति जीवन के हर हिस्से में मौजूद थी। नई सरकार के सामने पहली चुनौती इसी माहौल को बदलने की थी। सत्ता परिवर्तन का अर्थ केवल मुख्यमंत्री और मंत्रियों का बदलना नहीं होता। असली परिवर्तन तब होता है, जब शासन की कार्यसंस्कृति बदलती है। इन सौ दिनों में सरकार ने प्रशासन को स्पष्ट संकेत दिया है कि अब जवाबदेही सर्वोपरि है। फैसले समय पर हों। जनता की शिकायतें सुनी जाएं। योजनाएं कागज से निकलकर जमीन तक पहुंचें। बंगाल सरकार ने शुरुआती सौ दिनों में स्वास्थ्य, रोजगार, महिला कल्याण, सीमा सुरक्षा और केंद्र-राज्य सहयोग जैसे क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण कदम उठाकर अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट कर दी हैं।

नई सरकार के महत्वपूर्ण निर्णयों में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना को राज्य में लागू करना प्रमुख है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के साथ समझौता कर इस योजना से जुड़ाव हुआ। इसका महत्व केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है। बंगाल का पात्र व्यक्ति देश के दूसरे हिस्से में सूचीबद्ध अस्पताल में इसका लाभ ले सकता है। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार के लिए गंभीर बीमारी केवल स्वास्थ्य संकट नहीं, आर्थिक संकट भी बन जाती है। इसलिए यह फैसला आमजन को स्वास्थ्य सुरक्षा और भरोसा देने वाला है। बंगाल की बांग्लादेश के साथ लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा है। इसलिए सीमा सुरक्षा यहां केवल एक प्रशासनिक विषय नहीं है। इसका सीधा संबंध राष्ट्रीय सुरक्षा, घुसपैठ, तस्करी, कानून-व्यवस्था और सीमावर्ती नागरिकों की सुरक्षा से है। नई सरकार ने पहली कैबिनेट बैठक में सीमा पर बाड़ लगाने के लिए बीएसएफ को आवश्यक लंबित भूमि उपलब्ध कराने की दिशा में निर्णय लिया। यह एक राजनीतिक और प्रशासनिक संदेश भी था कि राष्ट्रीय सुरक्षा पर राजनीति नहीं होगी। बंगाल पूर्वी भारत का प्रवेश द्वार है। पूर्वोत्तर भारत से उसकी स्वाभाविक कड़ी है। बंगाल की खाड़ी उसे दक्षिण-पूर्व एशिया के बाजारों से जोड़ती है। इस भौगोलिक सामर्थ्य को आर्थिक शक्ति में बदलना होगा। एक समय बंगाल भारत की औद्योगिक शक्ति था। हुगली के किनारे कारखानों की कतार थी। जूट उद्योग था। इंजीनियरिंग थी। कोलकाता देश के व्यापारिक केंद्रों में अग्रणी था। दुर्गापुर और आसनसोल औद्योगिक पहचान रखते थे। हल्दिया का अपना महत्व था। फिर धीरे-धीरे उद्योगों का पलायन शुरू हुआ। नई सरकार ने अपने शुरुआती दिनों में उद्योग जगत को एक स्पष्ट संदेश देने का प्रयास किया कि अब बंगाल उद्योग से संघर्ष नहीं करेगा। निवेश केवल घोषणाओं से नहीं आता। निवेशक को भरोसा चाहिए। नीति में स्थिरता चाहिए। कानून-व्यवस्था चाहिए। जमीन और बिजली चाहिए। प्रशासनिक प्रक्रियाओं में सरलता चाहिए। सरकार के सामने अब चुनौती इस भरोसे को वास्तविक निवेश में बदलने की है। बंगाल के पास आज भी अपार संभावनाएं हैं। बंदरगाह हैं। रेल नेटवर्क है। विशाल बाजार है। कुशल मानव संसाधन है। इन सभी शक्तियों को एक सूत्र में जोड़ दिया जाए तो बंगाल फिर भारत के औद्योगिक मानचित्र पर अपना पुराना गौरव प्राप्त कर सकता है।

रोजगार केवल सरकारी नौकरियों से पैदा नहीं होगा। एमएसएमई चाहिए। स्टार्टअप चाहिए। आइटी चाहिए। मैन्यूफैक्चरिंग चाहिए। पर्यटन चाहिए। कृषि आधारित उद्योग चाहिए। हर जिले की पहचान को रोजगार से जोड़ना आने वाले पांच वर्षों में सरकार की सबसे बड़ी परीक्षाओं में से एक होगी। बंगाल ने बीते वर्षों में महिलाओं के विरुद्ध अपराध की कई ऐसी घटनाएं देखीं, जिन्होंने पूरे देश को विचलित किया। नई सरकार ने महिला सुरक्षा को अपनी प्राथमिकताओं में रखा है। महिला सुरक्षा ऐसा विषय है, जिस पर सौ दिनों की उपलब्धि गिनाकर रुकना संभव नहीं है। यह निरंतर चलने वाली जिम्मेदारी है। सौ दिनों में यदि कोई एक परिवर्तन सबसे अधिक महसूस किया जा रहा है तो वह इसी भरोसे की वापसी है। इसे आंकड़ों में नहीं मापा जा सकता। राज्य तभी आगे बढ़ता है, जब नागरिक को विश्वास हो कि उसका आने वाला कल आज से बेहतर होगा। बंगाल चैतन्य महाप्रभु, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, रवींद्रनाथ टैगोर और बंकिमचंद्र की धरती है। सुभाषचंद्र बोस और डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की कर्मभूमि है। नए बंगाल को आधुनिक बनना है, लेकिन अपनी जड़ों को छोड़कर नहीं। सौ दिन मंजिल नहीं, शुरुआत हैं। ये आने वाले पांच वर्षों की दिशा का संकेत हैं और अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। इन सौ दिनों में बंगाल की पूरी तस्वीर नहीं बदली, लेकिन तस्वीर बदलने का विश्वास जरूर पैदा हुआ है।

समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर के कड़े निर्देश, लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण पर जोर

ई-ऑफिस की रफ्तार बढ़ाने, जनशिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निराकरण और योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में जिले के विभिन्न विभागों के कार्यों, लंबित प्रकरणों जनशिकायतों और शासन की योजनाओं की समीक्षा की उन्होंने अधिकारियों को आमजन से जुड़े मामलों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने तथा लंबित प्रकरणों में तेजी लाने के निर्देश दिए कलेक्टर ने सुशासन तिहार, सीएम हेल्पलाइन 1076, सीएम जनदर्शन, पीएम पोर्टल और लोक सेवा केंद्र के लंबित आवेदनों की विभागवार समीक्षा की महिला एवं बाल विकास, विद्युत, शिक्षा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी सहित संबंधित विभागों को लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण करने कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रत्येक शिकायत का गंभीरता से परीक्षण कर आवेदक को संतोषजनक समाधान उपलब्ध कराया जाए। केल्हारी, मनेंद्रगढ़, खड़गवां और चिरमिरी में प्राप्त जनशिकायतों का मौके पर निरीक्षण कर निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए ई-ऑफिस में तेजी लाने पर विशेष जोर बैठक में ई-ऑफिस की प्रगति पर विशेष जोर रहा कलेक्टर ने सभी कार्यालयों में ई-फाइल के माध्यम से कार्य करने ब्लॉक स्तर के अधिकारियों को ई-फाइल संचालन का प्रशिक्षण देने तथा राजस्व, पंचायत एवं नगरीय निकाय के अधिकारियों को ई-ऑफिस से जोड़ने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि डिजिटल कार्यप्रणाली का उद्देश्य फाइलों के निराकरण में तेजी और प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता लाना है स्वास्थ्य शिक्षा और जनकल्याण योजनाओं की समीक्षा कलेक्टर ने जिले के सभी छात्रावासों में विद्यार्थियों की मेडिकल जांच तथा आदिवासी छात्रावासों में आई टेस्ट कराने के निर्देश दिए। खड़गवां क्षेत्र को टीबी मुक्त बनाने के लिए घर-घर एक्स-रे जांच कराने तथा डॉग बाइट के मामलों की जानकारी संबंधित विभागों के साथ साझा करने कहा महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना पोषण ट्रैकर, बच्चों के आधार अपडेट और स्वर्ण प्राशन की प्रगति की जानकारी ली गई मनेंद्रगढ़ एवं चिरमिरी में पालना केंद्र के लिए उपयुक्त भवन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए शिक्षा विभाग को ई-केवाईसी आधार सीडिंग, छात्रवृत्ति और विद्यार्थियों की उपस्थिति में प्रगति लाने कहा गया कृषि और विकास कार्यों में तेजी के निर्देश बैठक में पीएम किसान सम्मान निधि, पीएम स्वनिधि, केसीसी, एग्रीस्टैक, खाद-बीज भंडारण, धान बीज वापसी और राज्य कृषि विकास योजना की समीक्षा की गई। महतारी सदन, विधायक मद और गृह निर्माण मंडल के लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए आयुष्मान कार्ड निर्माण में तेजी लाने तथा खाद्य विभाग से संबंधित 722 कार्डों का सत्यापन कर नियमानुसार कार्रवाई करने कहा गया कलेक्टर ने श्रमिकों का अनिवार्य पंजीयन कराने, हितग्राही मूलक योजनाओं में आधार डीबीटी और अन्य ऑनलाइन डेटा को दुरुस्त रखने तथा सभी विभागों को अपने पोर्टल पर लंबित मामलों की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने अधिकारियों से कहा कि विभागीय कार्य केवल कागजों तक सीमित न रहें बल्कि उनका प्रत्यक्ष लाभ आम नागरिकों तक पहुंचना चाहिए लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निराकरण और जनहित से जुड़े मामलों में त्वरित कार्रवाई प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सिद्ध बाबा मंदिर जा रहे श्रद्धालु की घाटी में गिरने से मौत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। सिद्ध बाबा मंदिर में जल चढ़ाने जा रहे एक श्रद्धालु की सिद्ध बाबा घाटी से गिरने के कारण मौत हो गईघटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर सिटी कोतवाली मनेंद्रगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान भूपेंद्र सिंह (43) निवासी वार्ड क्रमांक 14, दफाई क्रमांक 2, झगराखांड के रूप में हुई है। मर्ग सूचना के मुताबिक भूपेंद्र सिंह सिद्ध बाबा मंदिर में जल चढ़ाने के लिए गए थे मंदिर की ओर जाते समय वे सिद्ध बाबा घाटी के ऊपर पहुंचे अचानक आया चक्कर, घाटी में गिरे बताया गया कि घाटी के ऊपर पहुंचने के दौरान भूपेंद्र सिंह को अचानक चक्कर आ गया। इससे वह अपना संतुलन नहीं संभाल सके और घाटी से नीचे गिर गए हादसा इतना गंभीर था कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई घटना की जानकारी मिलने के बाद आसपास मौजूद लोगों ने इसकी सूचना परिजनों और पुलिस को दी भाई ने पुलिस को दी घटना की सूचना मृतक के भाई उमेश सिंह ने घटना की सूचना सिटी कोतवाली पुलिस को दी सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जानकारी जुटाई पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए मर्ग कायम किया है शव के संबंध में नियमानुसार कार्रवाई के बाद मामले की जांच आगे बढ़ाई जा रही है मर्ग जांच में जुटी पुलिस पुलिस दस्तावेजों में मृतक की मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने और उसका उपचार चलने का भी उल्लेख किया गया है प्रारंभिक जानकारी में घटना अचानक चक्कर आने के बाद संतुलन बिगड़ने से घाटी में गिरने की बताई जा रही है फिलहाल पुलिस को घटना में किसी तरह के संदेह की जानकारी नहीं मिली है हालांकि मर्ग जांच के दौरान पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है।

बड़वानी पुलिस की बड़ी उपलब्धि, 5 थानों और एसपी कार्यालय को मिला ISO प्रमाणन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। पुलिस कार्यप्रणाली में गुणवत्ता, पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिक-केंद्रित सेवाओं को बढ़ावा देने की दिशा में बड़वानी पुलिस ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल के नेतृत्व में जिले के पांच पुलिस थानों सहित पुलिस अधीक्षक कार्यालय बड़वानी को अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कार्यप्रणाली के लिए ISO प्रमाणन मिला है कार्यक्रम में संस्था के सलाहकार एसके विद्यार्थी ने डीआईजी निमाड़ रेंज सिमाला प्रसाद की उपस्थिति में ड्डस्स्ह्र प्रमाण-पत्र पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल को प्रदान किए इस अवसर पर पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे गुणवत्ता मानकों पर हुआ मूल्यांकन ISO प्रमाणन की प्रक्रिया के दौरान पुलिस थानों और कार्यालय में अभिलेखों के रखरखाव, कार्यों की निगरानी, जवाबदेही, निर्धारित प्रक्रियाओं के पालन, नागरिक सेवाओं और व्यवस्थाओं का विस्तृत निरीक्षण किया गया। महिला ऊर्जा केंद्र, बाल मित्र कक्ष और वात्सल्य कक्ष जैसी नागरिक सुविधाओं का भी परीक्षण किया गया हवालात में सकारात्मक संदेशों का चित्रांकन बड़वानी पुलिस द्वारा थानों की हवालात की दीवारों पर प्रेरक कहानियों सकारात्मक संदेशों और कार्टून के माध्यम से कराया गया चित्रांकन भी विशेष आकर्षण रहा इसका उद्देश्य निरुद्ध व्यक्तियों में आत्मचिंतन, सकारात्मक सोच और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना है पुलिस अधीक्षक कार्यालय बड़वानी के अलावा कोतवाली, सिलावद, सेंधवा शहर, सेंधवा ग्रामीण और राजपुर थाना को ISO प्रमाणन मिला है।

घर-घर पहुंचा नल का जल, मुन्नी बाई के जीवन में आई नई राहत

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल' योजना ने ग्राम रेंद की मुन्नी बाई सहित ग्रामीण परिवारों के जीवन में सुविधा और राहत की नई शुरुआत की है पहले पेयजल के लिए कुएं और हैंडपंप तक जाना पड़ता था पानी भरकर घर तक लाने में समय और मेहनत दोनों खर्च होते थे गर्मी के दिनों में यह परेशानी और बढ़ जाती थी अब घर की देहरी पर नल से पानी उपलब्ध होने लगा है जिससे परिवार को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए दूर नहीं जाना पड़ता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत जल जीवन मिशन के माध्यम से ग्राम पंचायत भगवानपुर विकासखंड भरतपुर में ग्रामीण परिवारों को घर-घर नल कनेक्शन उपलब्ध कराया जा रहा है योजना का लाभ मिलने के बाद मुन्नी बाई के परिवार की दिनचर्या में सकारात्मक बदलाव आया है। पानी लाने में लगने वाला समय अब घरेलू कामकाज और परिवार की अन्य जरूरतों में लगाया जा सकता है मुन्नी बाई बताती हैं कि पहले पानी की व्यवस्था को लेकर हमेशा चिंता बनी रहती थी कुएं या हैंडपंप से पानी लाकर घर का काम चलाना पड़ता था अब घर पर ही नल से पानी मिलने के कारण काफी राहत मिली है समय और श्रम की बचत के साथ घर की साफ-सफाई और व्यक्तिगत स्वच्छता से जुड़े कार्य भी आसानी से हो रहे हैं ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की सुविधा का सबसे सीधा असर महिलाओं के जीवन पर पड़ता है। पानी जुटाने की जिम्मेदारी कम होने से महिलाओं को परिवार, बच्चों और अन्य जरूरी कार्यों के लिए अधिक समय मिल रहा है जल जीवन मिशन का उद्देश्य केवल नल कनेक्शन देना नहीं बल्कि ग्रामीण परिवारों को नियमित और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराकर जीवन स्तर में सुधार लाना है मुन्नी बाई ने घर तक नल का पानी पहुंचने पर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताते हुए कहा कि यह सुविधा गांव और परिवार के भविष्य को नई दिशा दे रही है। उनका अनुभव बताता है कि बुनियादी सुविधाओं से होने वाला विकास सीधे लोगों के जीवन में बदलाव लाता है।

फर्जी ट्रेडिंग ऐप और चोरी के मोबाइल से साइबर ठगी, छह आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस ने साइबर ठगी के अंतरराज्यीय नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सीहोर और कटनी में दो अलग-अलग मामलों का खुलासा किया है पुलिस ने फर्जी ट्रेडिंग ऐप के जरिए निवेश के नाम पर ठगी करने वाले कॉल सेंटर और चोरी के मोबाइल से बैंक खातों तक पहुंचकर रकम निकालने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है सीहोर में फर्जी ट्रेडिंग ऐप का कॉल सेंटर पकड़ा सीहोर कोतवाली पुलिस ने 'FX Trade' ऐप के माध्यम से निवेश पर भारी मुनाफे का लालच देकर ठगी करने वाले नेटवर्क का खुलासा किया। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी सतीश मेवाड़ा शीतल बिहार कॉलोनी में करीब छह महीने से फर्जी कॉल सेंटर संचालित कर रहा था यहां कर्मचारी लोगों को शेयर बाजार और ट्रेडिंग में कम समय में अधिक मुनाफे का झांसा देकर निवेश कराते थे। अब तक 20 लाख रुपए से अधिक के फर्जी निवेश की जानकारी सामने आई है पुलिस ने कार्रवाई के दौरान पांच कंप्यूटर, एक लैपटॉप, पांच कीपैड मोबाइल, पांच स्मार्टफोन पासबुक, चेकबुक, सिम कार्ड और FX Trade' से संबंधित सामग्री जब्त की है। ठगी की रकम म्यूल बैंक खातों में मंगाकर एटीएम से निकाली जाती थी। जांच में विभिन्न राज्यों से इन खातों के खिलाफ साइबर धोखाधड़ी की शिकायतें भी सामने आई हैं कटनी में चोरी के मोबाइल से 2.10 लाख की ठगी कटनी के बाकल थाना क्षेत्र में पुलिस ने मोबाइल चोरी कर बैंक खातों से रकम निकालने वाले झारखंड निवासी तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक चोरी हुए मोबाइल के जरिए पीड़ित के बचत और च्ह्रष्ट खातों से कुल 2 लाख 10 हजार रुपए निकाल लिए गए थे जांच में सामने आया कि आरोपी ऐसे मोबाइल चोरी करते थे जिनमें स्क्रीन लॉक नहीं होता था या जिन्हें आसानी से खोला जा सकता था इसके बाद मोबाइल में यूपीआई पिन सेट कर रकम दूसरे खातों में ट्रांसफर की जाती थी पूछताछ में आरोपियों ने 14 मोबाइल चोरी करना स्वीकार किया है गिरोह की अन्य वारदातों की जांच जारी है पुलिस की अपीलपुलिस ने लोगों से बैंक खाता एटीएम, पासबुक या लिंक मोबाइल सिम किसी अन्य को न देने की अपील की है अनजान लिंक या सोशल मीडिया से मिले ट्रेडिंग ऐप डाउनलोड नहीं करने और अधिक मुनाफे के लालच से बचने की सलाह दी गई है। साइबर ठगी होने पर तत्काल 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की अपील की गई है।

सिद्ध बाबा मंदिर पहुंचे महंत दंपती, भाजपा सरकार पर साधा निशाना

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत और कोरबा सांसद ज्योत्स्ना महंत ने सोमवार रात मनेंद्रगढ़ स्थित सिद्ध बाबा मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। इस दौरान उनके बेटे सूरज महंत भी मौजूद रहे दर्शन के बाद महंत दंपती ने प्रदेश की भाजपा सरकार और विभिन्न राजनीतिक मुद्दों को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी ज्योत्स्ना बोलीं- प्रदेश के संसाधनों का हो रहा दोहन सांसद ज्योत्स्ना महंत ने आरोप लगाया कि छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार प्रदेश के संसाधनों का दोहन कर रही है लेकिन जनता की मूलभूत जरूरतों और सुविधाओं पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बेहतर रेल सुविधाओं के विस्तार की मांग वे पिछले छह वर्षों से लगातार उठा रही हैं लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं ज्योत्स्ना महंत ने कहा कि क्षेत्र की जनता लंबे समय से बेहतर रेल सुविधा की उम्मीद कर रही है उन्होंने देश और प्रदेश में चल रही हवा से लोगों को बचाने के लिए भगवान से प्रार्थना करने की बात कही। पत्रकारों द्वारा हवा का आशय पूछे जाने पर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि पत्रकार हैं समझ जाइए वंदे मातरम विवाद पर भाजपा पर हमला वंदे मातरम विवाद को लेकर भी ज्योत्स्ना महंत ने भाजपा पर निशाना साधा उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सोनिया गांधी को बदनाम करने का प्रयास कर रही है उन्होंने कहा कि पहले राहुल गांधी को निशाना बनाया जाता था और अब सोनिया गांधी को लेकर राजनीति की जा रही है राष्ट्रीय कार्यकारिणी पर चरणदास महंत का तंज डॉ. चरणदास महंत ने भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में छत्तीसगढ़ के नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी नहीं मिलने पर तंज कसा उन्होंने कहा कि प्रदेश के भाजपा नेताओं को इस बात पर विचार करना चाहिए कि राष्ट्रीय स्तर पर उन्हें अपेक्षित स्थान क्यों नहीं मिला।

भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर सांसद रूप कुमारी चौधरी को उन्होंने शुभकामनाएं दीं और उन्हें अच्छी महिला बताया राज्यसभा जाने की इच्छा पर बोले महंत राज्यसभा जाने की इच्छा पर डॉ. महंत ने कहा कि इसके लिए केवल भोलेनाथ की कृपा ही नहीं बल्कि पार्टी नेतृत्व की कृपा भी जरूरी है उन्होंने कहा कि उनकी इच्छा है कि उन्हें देश के तीनों सदनों में काम करने का अनुभव मिले अवसर मिलने पर वे इस राजनीतिक इच्छा को पूरा करना चाहेंगे।

बाढ़ से निपटने एमसीबी में बनेगा जीरो डिले रिस्पॉन्स सिस्टम

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। संभावित बाढ़ आपदा के दौरान राहत और बचाव कार्यों में देरी रोकने के लिए मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में आपदा प्रबंधन तंत्र को मजबूत किया जा रहा है मंगलवार को राज्य स्तरीय टेबल टॉप एक्सरसाइज के तहत जिले में बाढ़ की काल्पनिक परिस्थितियों पर चर्चा कर विभागों की जिम्मेदारियां और समन्वित रणनीति तय की गई अभ्यास में भारी बारिश नदी-नालों का जलस्तर बढ़ने, जलभराव गांवों का संपर्क टूटने, सड़क-पुल क्षतिग्रस्त होने, बिजली बाधित होने और लोगों के फंसने जैसी परिस्थितियों को सामने रखा गया। सूचना मिलने से लेकर चेतावनी जारी करने, नियंत्रण कक्ष सक्रिय करने, लोगों की निकासी, रेस्क्यू, राहत शिविर, स्वास्थ्य सुविधा और सड़क-बिजली-संचार बहाली तक की प्रक्रिया की समीक्षा की गई बाढ़ की पहली सुरक्षा कड़ी के रूप में समय पर चेतावनी गांवों तक पहुंचाने पर जोर दिया गया। एसएमएस, सायरन, मुनादी और स्थानीय संचार माध्यमों के साथ वैकल्पिक संचार व्यवस्था तैयार रखने की रणनीति बनाई गई बच्चों बुजुर्गों गर्भवती महिलाओं दिव्यांगजनों और बीमार लोगों को प्राथमिकता से सुरक्षित निकालने पर विशेष जोर दिया गया राहत शिविरों में भोजन पेयजल स्वास्थ्य सुविधा और आवश्यक दवाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करने की योजना बनाई गई आकाशीय बिजली और सर्पदंश से बचाव के लिए जागरूकता बढ़ाने पर भी चर्चा हुई।

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी नागरिकों की समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

राशन, भूमि विवाद, मुआवजा, वन अधिकार पट्टा, बिजली दुर्घटना सड़क और एनएच-43 भूमि अधिग्रहण से जुड़े आवेदन पहुंचे

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनदर्शन आयोजित किया गया कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने दूर-दराज क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं गंभीरता और संवेदनशीलता से सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक आवेदन की जांच कर समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए जनदर्शन में राशन, भूमि विवाद, मुआवजा, वन अधिकार पट्टा, अवैध कब्जा, सड़क पर गंदा पानी बहाए जाने, बिजली दुर्घटना में मुआवजा, अल्पबचत एजेंसी की सिक्योरिटी राशि, परीक्षा फॉर्म तथा राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए अधिग्रहित भूमि के मुआवजे सहित विभिन्न मामलों से जुड़े आवेदन प्राप्त हुए मनेंद्रगढ़ निवासी मंगल प्रसाद ने राशन नहीं मिलने की शिकायत की माड़ीसरई निवासी राम लखन अहीरवार ने भूमि संबंधी समस्या जबकि खोंगापानी निवासी अनीष अंसारी ने पूर्व में प्रस्तुत आवेदन के शीघ्र निराकरण की मांग की नागपुर निवासी तारा देवी जायसवाल ने उचित मूल्य दुकान संचालक के व्यवहार और नहर की भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायत रखी खड़गवां निवासी अनीता ने रोपा लगाने के दौरान बिजली करंट की चपेट में आने से दिव्यांग होने के मामले में मुआवजा दिलाने की मांग की। मनेंद्रगढ़ निवासी बेचू बंसल ने सड़क मार्ग पर सेफ्टी टैंक का गंदा पानी बहाए जाने की शिकायत की चनवारीडांड निवासी आदित्य नंदन पासवान ने डाकघर में अभिकर्ता के रूप में कार्य करने तथा पूर्व की अल्पबचत एजेंसी की सिक्योरिटी राशि वापस दिलाने संबंधी आवेदन दिया शिक्षा से जुड़े मामले में खड़गवां निवासी करुणा तिर्की ने कम उपस्थिति के कारण परीक्षा फॉर्म भरने की अनुमति नहीं मिलने की समस्या रखी छरछा निवासी बालगोविंद ने वन अधिकार के तहत प्राप्त भूमि पर कब्जे के प्रयास की शिकायत की चिरमिरी निवासी अब्दुल रसीद ने भूमि मुआवजा दिलाने तथा प्रभावित लोगों का सर्वे कराने की मांग की नागपुर के हितग्राहियों ने एनएच-43 के लिए अधिग्रहित भूमि का मुआवजा दिलाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन मामलों में स्थल निरीक्षण अथवा विस्तृत जांच की आवश्यकता है वहां तत्काल कार्रवाई की जाए उन्होंने कहा कि जनदर्शन में प्राप्त आवेदन केवल औपचारिकता न बनें, बल्कि प्रत्येक प्रकरण की वास्तविक स्थिति की जांच कर नियमानुसार समाधान सुनिश्चित किया जाए कलेक्टर ने कहा कि जनदर्शन प्रशासन और आम नागरिकों के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है इसलिए प्राप्त आवेदनों के निराकरण की नियमित समीक्षा की जाए और किसी भी प्रकरण को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए।

तिलक सिंदूर में चेन स्नेचिंग, रिटायर्ड टीआई की पत्नी का मंगलसूत्र चोरी

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। धार्मिक स्थल तिलक सिंदूर में सावन के तीसरे सोमवार को भीड़ के बीच चेन स्नेचिंग की वारदात सामने आई दर्शन के दौरान एक महिला ने रिटायर्ड टीआई महेंद्र सिंह ठाकुर की पत्नी सविता ठाकुर के गले से मंगलसूत्र निकाल लिया घटना के बाद फरियादी ने पथरौटा थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है जानकारी के अनुसार नर्मदा टाउन सिटी निवासी सविता ठाकुर (55) पति महेंद्र सिंह ठाकुर सावन के तीसरे सोमवार और नाग पंचमी के अवसर पर आयोजित कावड़ यात्रा में शामिल होकर तिलक सिंदूर पहुंची थीं उनके पति महेंद्र सिंह ठाकुर भोपाल में पुलिस विभाग से करीब दो वर्ष पहले रिटायर हुए हैं दर्शन के दौरान भीड़ का फायदा उठाया महेंद्र सिंह ठाकुर के मुताबिक भगवान महादेव के दर्शन के बाद वे भैरव बाबा के दर्शन कर रहे थे इसी दौरान कुछ सामग्री चढ़ाने के लिए सविता ठाकुर नीचे झुकीं तभी भीड़ का फायदा उठाकर एक महिला ने उनके गले से मंगलसूत्र निकाल लिया। अचानक हुई वारदात के कारण आरोपी महिला की पहचान नहीं हो सकी एक अन्य महिला भी हुई शिकार रिटायर्ड टीआई ने बताया कि पीपलढाना गांव की एक अन्य महिला का मंगलसूत्र भी इसी दौरान चोरी होने की जानकारी मिली है हालांकि संबंधित महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई है पथरौटा थाना प्रभारी मोनिका गौर ने बताया कि सविता ठाकुर की शिकायत पर मंगलसूत्र चोरी का प्रकरण दर्ज किया गया है पुलिस घटनास्थल और आसपास की जानकारी जुटाकर मामले की जांच कर रही है।

सीहोर में मानसून जारी, 24 घंटे में 0.12 इंच बारिश: रेहटी में सबसे ज्यादा 0.44 इंच पानी गिरा

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। सीहोर जिले में मानसूनी बारिश का दौर लगातार जारी है। सोमवार 18 अगस्त को समाप्त हुए पिछले 24 घंटों में जिले में औसतन 0.12 इंच बारिश दर्ज की गई। इस दौरान रेहटी में सबसे ज्यादा 0.44 इंच, बुधनी में 0.31 इंच और श्यामपुर में 0.21 इंच बारिश हुई। वहीं सीहोर, आष्टा, जावर, इछावर और भैरूंदा तहसील में बारिश दर्ज नहीं की गई।

रेहटी में सबसे ज्यादा बारिश: पिछले 24 घंटों के तहसीलवार आंकड़ों में रेहटी में 0.44 इंच बारिश सबसे ज्यादा रही। इसके बाद बुधनी में 0.31 इंच और श्यामपुर में 0.21 इंच बारिश दर्ज की गई।

वहीं सीहोर, आष्टा, जावर, इछावर और भैरूंदा में इस अवधि के दौरान बारिश का आंकड़ा शून्य रहा।

सीजन में 26.87 इंच औसत बारिश: 1 जून से 18 अगस्त तक जिले में कुल 26.87 इंच औसत बारिश दर्ज की जा चुकी है। पिछले वर्ष इसी अवधि तक 28 इंच बारिश हुई थी। यानी इस साल अब तक पिछले वर्ष की तुलना में करीब 1.13 इंच कम बारिश हुई है।

सीहोर जिले की सामान्य औसत वर्षा 45.21 इंच है। ऐसे में मानसून सीजन में अभी सामान्य बारिश का आंकड़ा पूरा होने से जिला काफी पीछे है।

बंगाल की खाड़ी के नए सिस्टम से बारिश बढ़ने के आसार

● सीहोर में सबसे ज्यादा, जावर सबसे पीछे

तहसीलवार इस मानसून सीजन में सीहोर तहसील सबसे आगे है। यहां अब तक 32.68 इंच बारिश दर्ज की गई है। इसके बाद रेहटी में 30.03 इंच, भैरूंदा में 27.12 इंच, बुधनी में 26.69 इंच, आष्टा में 26.18 इंच, इछावर में 25.82 इंच और श्यामपुर में 24.97 इंच बारिश हुई है। जिले में सबसे कम बारिश जावर तहसील में दर्ज की गई है। यहां अब तक 21.45 इंच पानी गिरा है।

● बंगाल की खाड़ी के सिस्टम का असर

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर ऊपरी वायु का चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है। इसके साथ ही मध्य भारत से होकर मानसून ट्रफ रेखा गुजर रही है। इन मौसम प्रणालियों के कारण क्षेत्र में लगातार नमी पहुंच रही है और बारिश की गतिविधियां बनी हुई हैं।

● अगले दिनों में बढ़ सकती है बारिश

मौसम विभाग ने अगले 48 घंटों में बंगाल की खाड़ी में एक नया कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना जताई है। इसके प्रभाव से आने वाले दिनों में सीहोर जिले में बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं। जिले में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश और कुछ स्थानों पर तेज बौछारें पड़ने का अनुमान है। इससे बारिश के आंकड़े में आने वाले दिनों में और बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।

सिंगरौली के बैढ़न-विंध्यनगर रोड पर धंसा डंपर, सीवरेज कार्य के बाद सड़क मरम्मत में लापरवाही से हादसा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के बैढ़न-विंध्यनगर रोड पर मंगलवार को एक बड़ा हादसा टल गया। सागर होटल के सामने सड़क का एक हिस्सा अचानक धंस गया, जिससे एक हाइवा (डंपर) वाहन उसमें फंस गया। घटना के बाद मौके पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल रहा, हालांकि इसमें कोई जनहानि नहीं हुई। स्थानीय निवासियों के अनुसार, बैढ़न शहर की कई सड़कों की हालत लंबे समय से खराब है। शहर में सीवरेज लाइन बिछाने के लिए विभिन्न स्थानों पर सड़कों की खुदाई की गई थी। कार्य पूरा होने के बाद कई जगहों पर गड्ढों को ठीक से नहीं भरा गया, जिससे सड़कों की स्थिति और बिगड़ गई। लगातार हो रही बारिश ने स्थिति को और खराब कर दिया है। बारिश का पानी सड़क के नीचे तक पहुंचने से कई स्थानों पर जमीन धंस रही है और गहरे गड्ढे बन गए हैं। इन गड्ढों में आए दिन छोटे-बड़े वाहन फंस रहे हैं, जिससे आवागमन बाधित हो रहा है। सागर होटल के सामने हाइवा के सड़क में धंसने की इस घटना ने सड़क की गुणवत्ता और मरम्मत व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों ने प्रशासन से तत्काल बैढ़न शहर की सड़कों का निरीक्षण कराने की मांग की है। विशेष रूप से, सीवरेज लाइन के बाद खोदी गई सड़कों और अधूरे भरे गड्ढों को प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त करने की अपील की गई है। इसका उद्देश्य बारिश के दौरान सड़क धंसने और वाहन दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करना है।

घटना की जांच कराई जाएगी: इस संबंध में, नगर निगम के उपायुक्त आरपी वैश ने बताया कि शहर में सीवर और अन्य निर्माण कार्य करने वाले ठेकेदारों को पहले ही स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि वे कार्य के दौरान खराब हुई सड़कों को तत्काल ठीक करें। उन्होंने आश्वासन दिया कि सागर होटल के सामने हुई घटना की जांच कराई जाएगी और यदि सड़क सुधार में लापरवाही पाई जाती है, तो संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मंदसौर में स्कॉर्पियो ने बाइक को मारी टक्कर, पिता-पुत्री घायल, किराने का सामान लेने जा रहे थे, पिता उदयपुर रेफर

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर जिले में मंगलवार दोपहर डिगांव के पास तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने मोटरसाइकिल सवार पिता-पुत्री को टक्कर मार दी। हादसे में पिता गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि बेटी को भी चोटें आई हैं। टक्कर के बाद स्कॉर्पियो चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। घायलों को राहगीर ने निजी वाहन से जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां पिता की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें उदयपुर रेफर किया गया।

किराने का सामान लेने मंदसौर आ रहे थे: जानकारी के अनुसार, गुर्जरबर्डिया निवासी महेश सेन (50) अपनी बेटी सलोनी (19) के साथ मोटरसाइकिल से किराने का सामान लेने मंदसौर आ रहे थे। इसी दौरान डिगांव के पास तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए।

राहगीर ने अस्पताल पहुंचाया: हादसे के बाद दोनों घायल सड़क पर पड़े थे। इसी दौरान वहां से गुजर रहे समरथ गुर्जर ने घायलों को देखा और अपने निजी वाहन से उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में दोनों का उपचार शुरू किया गया।

पिता को गंभीर चोटें, उदयपुर रेफर: हादसे में महेश सेन के सिर में गंभीर चोट आई है। डॉक्टरों ने उनके सिर पर 20 से अधिक टांके लगाए हैं। इसके अलावा उनके एक हाथ और एक पैर में फ्रैक्चर हुआ है। गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें जिला अस्पताल से उदयपुर रेफर कर दिया गया।

खंडवा नर्सरी के 14 हजार मिर्च पौधों पर वायरस

किसान को 1 लाख का नुकसान, 30 दिन बाद बढ़वार रुकी

मीडिया ऑडीटर,खरगोन (निप्र)। खरगोन जिले के रायबिडपुरा के किसान पंकज राठौड़ ने खंडवा की एक नर्सरी से खरीदे गए 14 हजार मिर्च के पौधों की गुणवत्ता और वैरायटी को लेकर शिकायत की है। किसान का आरोप है कि पौधों में वायरस के लक्षण दिखाई देने के साथ करीब 30 दिन बाद उनकी बढ़वार रुक गई। इससे किसान को लगभग एक लाख रुपए का नुकसान होने का दावा है।

14-14 हजार नहीं, 7-7 हजार पौधे कराए थे बुक: किसान पंकज राठौड़ ने खंडवा के मलगांव टेमी स्थित मां रेवा कृपा नर्सरी से VNR-285 और पदमा वैरायटी के 7-7 हजार पौधे बुक कराए थे। किसान का आरोप है कि VNR-285 वैरायटी के नाम पर उन्हें दूसरी वैरायटी के पौधे भेज दिए गए। पौधे मिलने के बाद किसान ने इन्हें सेगांव क्षेत्र के पनवाड़ा स्थित अपने खेत में लगाया।

30 दिन बाद रुकी पौधों की बढ़वार: किसान के मुताबिक करीब 30 दिन बाद पौधों में 'कुकड़ा रोग' जैसे लक्षण दिखाई देने लगे। पौधों की बढ़वार रुक गई और मिर्च की पैदावार भी उम्मीद के मुताबिक नहीं हुई। किसान का कहना है कि जब फसल में मिर्च नहीं लगी और पौधों की स्थिति खराब होने लगी, तब उन्हें पौधों की वैरायटी को लेकर संदेह हुआ।

50 हजार रुपए खर्च, उत्पादन भी कम: पंकज राठौड़ के अनुसार फसल पर अब तक करीब 50 हजार रुपए खर्च हो चुके हैं। इसके बावजूद वह केवल करीब 8 क्विंटल मिर्च ही बेच पाए। किसान का कहना है कि सामान्य तौर पर ङ्कहृक्र-285 वैरायटी की मिर्च का भाव करीब 35 से 40 रुपए प्रति किलो तक मिलता है, जबकि उन्हें अपनी फसल करीब 20 रुपए प्रति किलो के भाव से बेचनी पड़ी। इसी अंतर और कम उत्पादन के कारण किसान ने लगभग एक लाख रुपए के नुकसान का दावा किया है।

नर्सरी संचालक से शिकायत, निरीक्षण का इंतजार: किसान ने नर्सरी संचालक सुधीर पटेल से मामले की शिकायत की। किसान के अनुसार, संचालक ने खेत का निरीक्षण करने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक खेत का निरीक्षण नहीं किया गया।किसान का आरोप है कि अब नर्सरी संचालक फोन भी नहीं उठा रहे हैं। इसके बाद उन्होंने मामले की शिकायत उद्यानिकी विभाग के उपसंचालक से भी की है।

विभाग से भी खेत के निरीक्षण की मांग: किसान ने खराब पौधों और गलत वैरायटी की शिकायत उद्यानिकी विभाग से की है। किसान का कहना है कि शिकायत के बावजूद विभाग की टीम ने अब तक खेत का निरीक्षण नहीं किया है। अब किसान की मांग है कि खेत और पौधों की जांच कराई जाए, वैरायटी की पुष्टि की जाए और नुकसान का आकलन कर उचित कार्रवाई की जाए।

8 फीट का घायल सांप लेकर अस्पताल पहुंचे स्नेक कैचर: डॉक्टर ने की ड्रेसिंग, दाल मील से पकड़ाया था

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर में मंगलवार को स्नेक कैचर 8 फीट लंबा सांप लेकर पशु चिकित्सालय पहुंच गए। सांप को देखकर अस्पताल में मौजूद स्टाफ दंग रह गया। स्नेक कैचर ने सांप के घायल होने और इलाज कराने की बात कही। इस पर डॉक्टर ने सांप की ड्रेसिंग की। यह पहला मौका था, जब कोई सांप का इलाज कराने पशु अस्पताल पहुंचा था।

दाल मिल में बोरियों के बीच मिला सांप: दरअसल, मंगलवार सुबह मोतीनगर इलाके में स्थित एक दाल मिल में सांप दिखाई दिया। मजदूर मिल में बोरियां उठाने का काम कर रहे थे। इसी दौरान बोरियों के बीच सांप दिखाई देने पर मजदूर घबरा गए। उन्होंने तत्काल स्नेक कैचर बबलू पवार को सूचना दी। स्नेक कैचर मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू शुरू किया। गेहूं की बोरियां हटाने के बाद सांप को पकड़ लिया गया।

घायल हालत में मिला सांप: सांप को देखने पर पता चला कि वह घायल था और उसके शरीर पर चोट लगी हुई थी। यह देखकर स्नेक कैचर उसे बोरी में रखकर पशु चिकित्सालय लेकर पहुंचे। उन्होंने अस्पताल में मौजूद स्टाफ से घायल सांप का इलाज करने को कहा। यह सुनकर स्टाफ भी दंग रह गया, क्योंकि अस्पताल में सांप के इलाज का कोई विशेषज्ञ मौजूद नहीं था। ऐसे में डॉक्टर ने सुरक्षित तरीके से सांप को दवा लगाई और उसकी ड्रेसिंग की।

रायसेन में मानसून सुस्त, सात दिन से तेज बारिश नहीं

सीजन में पिछले साल से 19.16 इंच कम बरसात

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में मानसून की रफ्तार एक बार फिर धीमी पड़ गई है। पिछले सात दिनों से जिले में तेज बारिश दर्ज नहीं हुई है। 1 जून से 17 अगस्त तक जिले में औसत 25.74 इंच वर्षा रिकॉर्ड की गई है। यह पिछले साल की इसी अवधि में हुई 44.90 इंच बारिश से करीब 19.16 इंच कम है। मानसून की धीमी गति का असर नदी-नालों पर भी दिखाई दे रहा है। इस सीजन में पहली बार बीते रविवार और सोमवार को हुई बारिश के बाद जिले के कई नदी-नाले उफान पर आए थे। हालांकि, पिछले एक सप्ताह से बारिश थमने के कारण अब इनका जलस्तर फिर से सामान्य हो गया है।

पिछले साल के मुकाबले इस अगस्त आधी बारिश: अगस्त माह में भी बारिश की स्थिति कमजोर बनी हुई है। पिछले साल अगस्त में इस समय तक बारिश का कोटा लगभग पूरा हो चुका था, जबकि इस साल अगस्त में इसके मुकाबले करीब आधी ही बारिश दर्ज हुई है।

पेड़ से टकराई बेकाबू कार, तीन की मौत, एक गंभीर

नागलवाड़ी से खंडवा लौट रहे थे, जोगीबेड़ा के पास देर रात हादसा

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा के हरसूद थाना क्षेत्र में आशापुर चौकी क्षेत्र में जोगीबेड़ा के पास सोमवार देर रात एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक गंभीर घायल है। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

जानकारी के मुताबिक, हरसूद निवासी चार लोग नागलवाड़ी दर्शन के लिए गए थे। दर्शन के बाद वे कार से वापस हरसूद लौट रहे थे। रात करीब 12 बजे जोगीबेड़ा के पास पहुंचते ही कार अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगे पेड़ से जा भिड़ी। हादसे के बाद आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई और पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस-डायल-112 टीम ने पहुंचकर संभाला मोर्चा: सूचना मिलते ही आशापुर चौकी से हेड कांस्टेबल लोकेश हिरवे और डायल-112 के पायलट दीपेश यादव मौके पर पहुंचे। वहीं हरसूद थाने से हेड कांस्टेबल हरिप्रसाद और डायल-112 के पायलट

सैयद अली भी घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिसकर्मियों और डायल-112 की टीम ने तत्काल घायलों को कार से निकालकर हरसूद अस्पताल पहुंचाया।

तीन की मौत, एक गंभीर घायल: अस्पताल में पहुंचते ही डॉक्टरों ने सिंगाजी कॉलोनी, हरसूद निवासी विष्णु उर्फ भूरा (50), पिता गोविंद को मृत घोषित कर दिया। विष्णु उर्फ भूरा हरसूद के फीलगुड चौराहे पर चाय की दुकान संचालित करते थे।

बीपीसीएल ने भारतीय सेना के लिए पहली एक्सट्रीम वेदर ग्रेड डीजल रेक रवाना की

मीडिया ऑडीटर, बीना (निप्र)। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने भारतीय सेना की ऊंचाई वाले और बेहद ठंडे क्षेत्रों में होने वाली गतिविधियों के लिए विशेष रूप से तैयार एक्सट्रीम वेदर ग्रेड (एक्सडब्ल्यूजी) डीजल की पहली रेक बीना रिफाइनरी से रवाना की। यह बीपीसीएल के तकनीकी नवाचार और देश की सेवा के प्रति प्रतिबद्धता की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।बीपीसीएल भारत सरकार की फॉर्च्यून ग्लोबल 500 कंपनी और महारत्न सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है।

पहली एक्सडब्लूजी डीजल रेक को लेफ्टिनेंट जनरल मुकेश चड्ढा, एवीएसएम , एसएम , वीएसएम , डीजीएसटी , आईएचक्यू ऑफ़ एमओडी (आर्मी) ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर बीपीसीएल के निदेशक (मार्केटिंग) श्री शुभंकर सेन के साथ भारतीय सेना, भारतीय रेलवे और बीपीसीएल के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे एक्सडब्लूजी डीजल को बीपीसीएल ने देश में ही विकसित किया है। भारतीय सेना के सामने अत्यधिक ठंड और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सैन्य वाहनों के संचालन के दौरान आने वाली चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए यह विशेष डीजल तैयार किया गया है इसके विकास में बीपीसीएल के कॉर्पोरेट रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर (सीआरडीसी) और बीना रिफाइनरी ने मिलकर काम किया इस विशेष डीजल की खासियत है कि यह बहुत कम तापमान में भी बेहतर प्रदर्शन करता है। इसमें बेहतर कोल्ड स्टार्ट, कम तापमान में आसानी से ईंधन प्रवाह, बेहतर वाहन संचालन, कम रखरखाव और कठिन मौसम में अधिक भरोसेमंद प्रदर्शन जैसी खूबियां हैं बीपीसीएल ने कहा कि एक्सडब्लूजी डीजल का विकास कंपनी की तकनीकी क्षमता, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है इससे ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारतीय सेना के लिए ईंधन की भरोसेमंद आपूर्ति सुनिश्चित करने और सैन्य अभियानों की तैयारी एवं कार्यक्षमता को मजबूत करने में मदद मिलेगी बीपीसीएल के निदेशक (मार्केटिंग) श्री शुभंकर सेन ने कहा कि एक्सट्रीम वेदर ग्रेड डीजल का सफल विकास और पहली रेक की रवानगी बीपीसीएल की शोध क्षमता, तकनीकी दक्षता और आत्मनिर्भर भारत के प्रति प्रतिबद्धता का बेहतरीन उदाहरण है उन्होंने कहा कि बीपीसीएल देश की रणनीतिक जरूरतों के अनुरूप नए और उपयोगी ऊर्जा समाधान उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है बीपीसीएल बीना रिफाइनरी के कार्यकारी निदेशक श्री के. के. दास ने कहा कि पहली एक्सडब्लूजी डीजल रेक की रवानी बीना रिफाइनरी के लिए गर्व का क्षण है उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि बीपीसीएल की शोध, रिफाइनिंग, मार्केटिंग और लॉजिस्टिक्स टीमों के बेहतर तालमेल और टीमवर्क का परिणाम है उन्होंने विश्वास जताया कि बीना रिफाइनरी आगे भी देश की जरूरतों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाले विशेष ईंधन तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बीपीसीएल के बिजनेस हेड (इंडस्ट्रियल एंड कमर्शियल सॉल्यूशंस) श्री मनोज मेनन ने कहा कि कंपनी देश के रणनीतिक क्षेत्रों के लिए विशेष ऊर्जा समाधान उपलब्ध कराने पर लगातार काम कर रही है। भारतीय सशस्त्र बलों को बिना रुकावट और भरोसेमंद ईंधन उपलब्ध कराना बीपीसीएल की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है।

छतरपुर में सड़क पर अचानक आया आवारा कुत्ता:बाइक से गिरकर कोटवार गंभीर रूप से घायल, चेहरे पर लगे 12 टांके

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर शहर की सड़कों पर घूम रहे आवारा कुत्ते अब लोगों के लिए परेशानी के साथ हादसों का कारण भी बन रहे हैं।

छतरपुर में एक आवारा कुत्ते से बचने के प्रयास में बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। हादसे में तहसील में पदस्थ 50 वर्षीय कोटवार वीर सिंह घोष गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके साथ बाइक पर सवार रीडर रमेश खरे को मामूली चोटें आई हैं।

कुत्ते से बचने के लिए बढ़ाई बाइक की रफ्तार: जानकारी के अनुसार, वीर सिंह घोष तहसील में कोटवार के पद पर कार्यरत हैं। वे बाइक से शासकीय ड्यूटी के लिए तहसील जा रहे थे। इसी दौरान रास्ते में एक आवारा कुत्ता उनकी बाइक का पीछा करने लगा।

कुत्ते से बचने के लिए वीर सिंह ने बाइक की रफ्तार बढ़ा दी। इसी दौरान कुत्ता अचानक बाइक के सामने आ गया। अचानक सामने आए कुत्ते से बचने के प्रयास में बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई।

चेहरे और शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोट: हादसे में वीर सिंह घोष के चेहरे, सिर, आंख, मुंह, होंठ, सीने, हाथ-पैर समेत शरीर के कई हिस्सों में चोटें आई हैं। उनके चेहरे पर एक दर्जन से अधिक टांके लगाए गए हैं।

घटना के बाद उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें भर्ती कर लिया गया। फिलहाल उनका इलाज जारी है।

● साथ बैठे रीडर को मामूली चोट

वीर सिंह के साथ बाइक पर महेवा तहसील में रीडर के पद पर पदस्थ रमेश खरे भी मौजूद थे। बाइक गिरने के दौरान उन्हें मामूली चोटें आईं। हादसे में वे बाल-बाल बच गए।

● बारिश में सड़कों पर बैठ रहे आवारा जानवर

रमेश खरे ने बताया कि वीर सिंह शासकीय काम से तहसील जा रहे थे। इसी दौरान आवारा कुत्ते ने बाइक का पीछा किया और उससे बचने के दौरान हादसा हो गया। उन्होंने बताया कि बारिश के मौसम में आवारा जानवर सूखी जगह की तलाश में सड़कों पर आकर बैठ जाते हैं। ऐसे में अचानक कुत्तों के दौड़ने या वाहन के सामने आने से हादसे का खतरा बढ़ जाता है।

● आवारा जानवरों की समस्या से बढ़ रही परेशानी

स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर और जिले की सड़कों पर आवारा कुत्तों समेत अन्य जानवरों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इनके अचानक सड़क पर आने से वाहन चालकों के लिए खतरा बना रहता है। लोगों ने प्रशासन और नगर निकाय से आवारा जानवरों की समस्या के स्थायी समाधान के लिए अभियान चलाने की मांग की है, ताकि इस तरह के हादसों को रोका जा सके।

विश्व कप 2027 में क्वालीफाई करने का हमारे पास अच्छा मौका: ओवेन डॉकिन्स

एडिनबर्ग ,एजेसीं। स्कॉटलैंड क्रिकेट टीम के कोच ओवेन डॉकिन्स ने कहा है कि उनकी टीम 12 साल का सूखा खत्म करने और अगले साल होने वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करने की अच्छी स्थिति में है। स्कॉटलैंड आखिरी बार वनडे विश्व कप 2015 में खेली थी। स्कॉटलैंड ने आईसीसी पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 टूर्नामेंट में अच्छी कोशिशों के बाद अगले साल के क्रिकेट वर्ल्ड कप क्वालीफायर इवेंट के लिए जगह बना ली है। वे अब अगले साल दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले विश्व कप में क्वालीफाई करन से एक कदम दूर हैं। स्कॉटलैंड को वर्ल्ड कप में अपनी जगह पक्की करने के लिए 2027 की शुरुआत में क्वालीफायर इवेंट में टॉप चार में जगह बनानी होगी। ओवेन डॉकिन्स ने क्रिकेट स्कॉटलैंड बातचीत में कहा, 'हम अभी अच्छी जगह पर हैं। इस सीरीज ने हमारी टीम के कैरेक्टर और क्षमता को दिखाया है। ग्लोबल क्वालीफायर के लिए क्वालीफिकेशन हासिल करना एक बड़ी उपलब्धि है, और इसमें शामिल हर कोई हमारी तरक्की पर गर्व कर सकता है। '

उन्होंने कहा, 'वनडे क्रिकेट वैश्विक गेम के लिए एक बहुत जरूरी फॉर्मेट बना हुआ है, और अगर हम दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले वर्ल्ड कप तक पहुंचते हैं तो यह एक शानदार कामयाबी होगी। यह एक ग्रुप के तौर पर हमारे लिए सबसे बड़ी कामयाबी होगी। यह एक ऐसा फॉर्मेट है जिसकी हमें और वर्ल्ड क्रिकेट को जरूरत है, ताकि हमारे खिलाड़ियों को विकसित होने में मदद मिल सके और हमारा खेल आगे बढ़ सके, कामयाब हो सके। ' स्कॉटलैंड मे हाल ही में अपने घरेलू मैदान पर कनाडा और यूएई के खिलाफ त्रिकोणीय सीरीज में शीर्ष टीम रही थी। डॉकिन्स ने कहा, 'पिछले दो सप्ताह में कुछ शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। फिन मैक्रीथ ने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय शतक बनाया। रिची बेरिंगटन ने फाइनल में शतक लगाया। लाइल रॉबर्टसन ने डेब्यू करते हुए वनडे क्रिकेट इतिहास का चौथा सर्वश्रेष्ठ स्पेल फेंका। हालांकि, मुझे सबसे जयादा संतुष्टि टीम के प्रदर्शन से मिलती है। ' उन्होंने कहा, 'यह सफलता किस्मत की वजह से नहीं है। टीम स्किल की वजह से मिली है। सफलता में टीम में शामिल सभी लोगों की कड़ी मेहनत, प्रतिबद्धता और समर्पण का सहयोग है। यह कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ के शानदार काम को भी दिखाता है, जिससे खिलाड़ियों को अपनी योजना में ज्यादा स्पष्टता मिली और ज्यादा फिट, ज्यादा मजबूत और बेहतर तरीके से टिके रहने और उन कड़े गेम जीतने में मदद मिली। '

'ड्रिंक-एंड-ड्राइव' मामले में वॉर्नर दोषी करार, 1500 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का जुर्माना

सिडनी ,एजेसीं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ओपनर डेविड वॉर्नर को अब गाड़ी चलाने के लिए इंटरलॉक डिवाइस का इस्तेमाल करना होगा, क्योंकि सिडनी की एक अदालत ने ड्रिंक-एंड-ड्राइव मामले में उन्हें दोषी पाया है। ईस्टर संडे के दिन रैंडम ब्रेथ-टेस्टिंग साइट के पास पहुंचने पर एक यात्री के साथ सीट बदलने की कोशिश करने के बाद, 39 वर्षीय वॉर्नर पर 'मिड-रेंज' ड्रिंक-ड्राइविंग के लिए 1,500 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का जुर्माना भी लगाया गया। यह घटना 5 अप्रैल (ईस्टर संडे) को हुई थी, जब वॉर्नर एक वाहन चला रहे थे और रैंडम ब्रेथ-टेस्टिंग साइट से पहले ही रुकने के कारण चर्चा में आ गए। रैंडम ब्रेथ टेस्ट में कानूनी सीमा से दोगुने से ज्यादा अल्कोहल पाए जाने पर पूर्व टेस्ट ओपनर पर 'मिड-रेंज' ड्रिंक-ड्राइविंग का आरोप लगाया गया था। पिछले महीने, वॉर्नर ने सिडनी की अदालत में ड्रिंक-ड्राइविंग के आरोप को स्वीकार कर लिया था। अदालत ने इस मामले में अंतिम सजा सुनाने के लिए 18 अगस्त की तारीख तय की थी, जहां वॉर्नर को 'मिड-रेंज' ड्रिंक-ड्राइविंग के उल्लंघन के लिए स्थानीय ट्रैफिक कानूनों के तहत सजा का सामना करना पड़ा। 'क्रिकेटडॉटकॉमडॉटएयू' की रिपोर्ट के अनुसार, वॉर्नर के वकील अवैस अहमद ने तर्क दिया कि उन्हें इस अपराध के लिए दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए, क्योंकि मीडिया कवरेज के कारण उन्हें पहले ही अतिरिक्त सजा भुगतनी पड़ी है।

जियानी इन्फेंटिनो की आलोचना भारी पड़ी, फीफा से हटाए गए चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर केविन

नई दिल्ली ,एजेसीं। फीफा ने अपने चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर केविन लैमौर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो द्वारा वर्ल्ड कप में निवेशकों को हिस्सेदारी बेचने की योजना की आलोचना करने की वजह से फीफा ने केविन लैमौर को बर्खास्त कर दिया है। वर्ल्ड बॉडी के स्टाफ को इसकी जानकारी सेक्रेटरी जनरल, मैटियास ग्राफस्टॉर्म के एक ईमेल से दी गई। एक रिपोर्ट के मुताबिक, फीफा और केविन लैमौर के बीच चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर के तौर पर अनुबंध 17 अगस्त 2026 को खत्म हो गया है। फीफा केविन को उनकी दो साल की सर्विस के लिए धन्यवाद देता है और उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता है।' रिपोर्ट में स्टाफ को भेजे गए पत्र का भी हवाला दिया गया है, जिसमें कहा गया है कि यह फैसला 'ध्यान से सोचने' के बाद लिया गया था।

पत्र में लिखा गया है, 'मैं आपको फीफा प्रशासन में हुए बदलाव के बारे में एक जरूरी अपडेट देना चाहता हूं। हाल ही में हुई बातचीत के बाद, फीफा और हमारे चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर, केविन लैमौर, अलग होने के लिए राजी हो गए हैं। यह फैसला बहुत सोच-समझकर और केविन के लिए निजी और पेशेवर तौर पर सम्मान के साथ लिया गया है। मुझे लगा कि यह जरूरी है कि मैं आपको निजी जानकारी दूं। मैं केविन को उनके योगदान और फीफा की तरफ से रोजाना उनके काम और प्रतिबद्धता के लिए शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। मैं केविन को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता हूं। '

लैमोर ने इन्फेंटिनो के वर्ल्ड कप के स्टेक बेचने की योजना को एक व्यक्ति का प्रोजेक्ट करार दिया था। उन्होंने कहा था कि हमारा मिशन–सैकड़ों जोशीले, समर्पित और बेहतरीन फीफा कर्मचारियों का मिशन–फुटबॉल की सेवा करना है। एक अध्यक्ष को लोगों को एक साथ लाना चाहिए, उन्हें एकजुट करना चाहिए और उन्हें प्रेरित करना चाहिए। आज, हम इसका उल्टा अनुभव कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'अगर इसका मतलब है कि मेरी नौकरी चली जाए, तो ऐसा ही हो। मैं उस फैसले को समझूंगा और उसका सम्मान करूंगा। कम से कम आज रात मैं चैन की नींद सो पाऊंगा। '

ऋषभ पंत का अर्धशतक, भारत की दूसरी पारी 193 पर सिमटी

गाले ,एजेसीं। भारतीय क्रिकेट टीम श्रीलंका के खिलाफ गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले जा रहे टेस्ट मैच के चौथे दिन ऋषभ पंत के अर्धशतक के बावजूद दूसरी पारी में 193 रन पर सिमट गई। श्रीलंका को इस टेस्ट को जीतने के लिए 372 रन की जरूरत है। भारतीय टीम के लिए दूसरी पारी की शुरुआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल बिना खाता खोले आउट हो गए। केएल राहुल और देवदत्त पड्डिकल ने दूसरे विकेट के लिए 65 रन की साझेदारी की। राहुल दूसरे विकेट के रूप में 35 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद गिल भी मात्र 8 रन बनाकर आउट हुए। देवदत्त पड्डिकल 44 रन बनाकर आउट हुए। पड्डिकल के आउट होने के बाद भारतीय विकेटों के गिरने का सिलसिला लगातार जारी रहा, और पूरी टीम 193 रन पर सिमट गई। टीम के आठ बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच पाए। लगातार गिरते विकेटों के बीच विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने अर्धशतक लगाया। पंत 69 गेंदों पर 2 छक्कों और 8 चौकों की मदद से 66 रन बनाकर आउट हुए। पंत की पारी का दूसरा छक्का टेस्ट क्रिकेट में उनका 100वां छक्का था। वह भारतीय क्रिकेट के पहले बल्लेबाज बने, जिसके नाम टेस्ट में 100 छक्के लगाने की उपलब्धि है। श्रीलंका के लिए असिथा फर्नांडो ने 4, प्रबाथ जयसूर्या ने 3, लाहिरू कुमारा ने 2 और केशरा ने 1 विकेट लिया। भारतीय टीम ने पहली पारी में देवदत्त पड्डिकल के 167 और केएल राहुल के 82 रनों की मदद से 462 रन बनाए थे। श्रीलंका पहली पारी में 284 रन पर सिमट गई थी। भारत ने पहली पारी में मिले 178 रनों की बढ़त के आधार पर श्रीलंका को जीत के लिए 372 रन का लक्ष्य दिया है। चौथी पारी में 372 रन का लक्ष्य आसान नहीं है।

20 साल के जैकोबो ऑर्टेगा से रियल मैड्रिड को हुआ रिकॉर्ड वित्तीय लाभ

मैड्रिड ,एजेसीं। स्पेन के दिग्गज फुटबॉल क्लब रियल मैड्रिड का यूथ सिस्टम उसे वित्तीय रूप से लाभ पहुंचा रहा है। 19 साल के सी-टीम खिलाड़ी जैकोबो ऑर्टेगा आरसी स्ट्रासबर्ग के साथ सोमवार को रिकॉर्ड कीमत में जुड़े। इससे रियल मैड्रिड को बड़ा फायदा हुआ है। पिछले सीजन यूथ लीग में रियल मैड्रिड के लिए टॉप स्कोरर रहे ऑर्टेगा पर स्ट्रासबर्ग ने 10 मिलियन यूरो (करीब 11.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर) खर्च किए हैं। इस डील के बाद ऑर्टेगा रियल मैड्रिड के लिए किसी ऐसे खिलाड़ी के लिए सबसे महंगी सेल बन गए हैं जो कभी उनकी फर्स्ट टीम में नहीं खेला। रियल मैड्रिड की वेबसाइट के मुताबिक, 'रियल मैड्रिड सीएफ और आरसी स्ट्रासबर्ग अलसैस हमारे प्लेयर जैकोबो ऑर्टेगा के ट्रांसफर के लिए सहमत हो गए हैं। वह 2018 में 12 साल की उम्र में रियल मैड्रिड में शामिल हुए थे और आठ सीजन से हमारी यूथ एकेडमी का हिस्सा रहे हैं। ' शिन्हुआ के मुताबिक, 'ओर्टेगा ने स्ट्रासबर्ग के साथ पांच साल के अनुबंध पर साइन किया है। इस क्लब के ओनर (ब्लूको) प्रीमियर लीग टीम चेल्सी के ही हैं। ' इस गर्मी में रियल मैड्रिड के लिए दूसरे यूथ टीम खिलाड़ियों ने आय अर्जित किया है। गोंजालो गार्सिया और सीजर पालासियोस ने लगभग 50 मिलियन यूरो कमाए, जबकि क्लब ने विक्टर मुनोज के ओसासुना से लिवरपूल में मूव करने से सेल-ऑन राइट्स में लगभग 20 मिलियन यूरो भी कमाए।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव और राफेल जोडर ने अंतिम 16 में बनाई

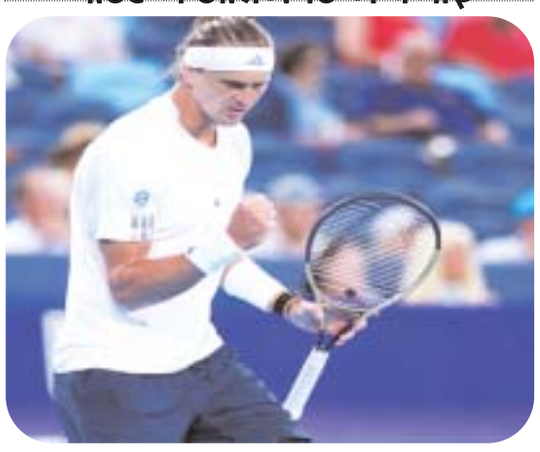

सिनसिनाटी,एजेसीं। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने सिनसिनाटी ओपन के चौथे राउंड में जगह बना ली है। ज्वेरेव ने टेरेंस अतमाने को 7-6 (4), 7-6 (8) से हराकर चौथे राउंड में जगह बनाई। जर्मन खिलाड़ी ज्वेरेव ने दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में 6/4 पर दो मैच पॉइंट बनाए। अतमाने ने पहला ऐस आउट वाइड से मिटा दिया, और ज्वेरेव ने दूसरे पर डबल फॉल्ट करके टाई-ब्रेक को 6/6 पर बराबर कर दिया। 29 साल के ज्वेरेव ने खुद को संभाला, अगले दो पॉइंट लेकर दो घंटे और नौ मिनट में सीधे सेटों में जीत पक्की कर ली। इस बीच, 19 साल के राफेल जोडार ने एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में एलेजांद्रो टैबिलो को 6-2, 6-1 से हराकर चौथे राउंड में जगह बनाई, और अपने शानदार 2026 सीजन को जारी रखा। जोडार इस दशक में सिनसिनाटी में राउंड ऑफ 16 तक पहुंचने वाले कार्लोस अल्काराज और बेन शेल्टन के साथ शामिल हो गए। स्पेन के जोडर का अगला मुकाबला वर्ल्ड नंबर 10 फ्लेवियो कोबोली से होगा। कोबोली ने अलेक्जेंडर ब्लॉक्स को 7-5, 4-6, 7-5 से हराया था। इटैलियन कोबोली ने फाइनल सेट में 3-5 से पिछड़ने के बाद लगातार चार गेम जीते और अपने करियर में चौथी बार मास्टर्स 1000 इवेंट के चौथे राउंड में पहुंचे। जोडर को हाल ही में कैनेडियन ओपन में सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। दूसरे मुकाबले में, आर्थर फिल्स ने जिरी लेहेका की एक बड़ी चुनौती का सामना करते हुए नौवें सीड खिलाड़ी को 6-1, 6-7(7), 6-3 से हराया। दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में फिल्स के पास 7/6 का मैच पॉइंट था, लेकिन लेहेका ने उसे रोककर तीसरा सेट जीत लिया। फ्रांसीसी खिलाड़ी ने दो घंटे और एक मिनट में जीत पक्की कर ली। फिल्स का अगला मुकाबला पांचवीं सीड एलेक्स डी मिनौर से होगा। डी मिनौर ने आर्थर फेरी को 7-5, 7-6(3) से हराया था।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप: जीत के साथ उन्नति का डेब्यू, मिक्स्ड डबल्स के पहले राउंड में रोहन-ऋत्विका बाहर

नई दिल्ली ,एजेसीं। भारतीय शटलर उन्नति हुड्डा ने म्यांमार की थेत हतार थुजार को सीधे गेम में हराकर अपने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में शानदार डेब्यू किया। अगले राउंड में उन्नति का सामना कनाडा की 13वीं सीड मिशेल ली से होगा, जिन्होंने चीनी ताइपे की पी. चिउ को 22-20, 21-12 से हराया। मंगलवार को इंदिरा गांधी स्टेडियम में खेले गए कड़े मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों के बीच अंकों का उतार-चढ़ाव जारी रहा, लेकिन कोई भी खिलाड़ी मजबूत बढ़त नहीं कर सका। 21 मिनट तक चली जबरदस्त रैलियों के बाद, हुड्डा ने पहला गेम 22-20 से अपने नाम किया। कोर्ट बदलने के तुरंत बाद अपनी लय बदलते हुए, हुड्डा ने आक्रामक खेल दिखाते हुए मैच पर पूरी पकड़ बना ली और 11-1 की बड़ी बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, थुजार ने वापसी करते हुए अंतर को 20-16 तक कम किया, लेकिन भारतीय शटलर ने दबाव में भी संयम बनाए रखा और आखिरी प्वाइंट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। इससे पहले, मिक्स्ड डबल्स में रोहन कपूर/ऋत्विका शिवानी गड्डे की जोड़ी को कनाडा की जोनाथन लाई/क्रिस्टल लाई की जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा दिन में बाद में, स्टार शटलर लक्ष्य सेन का सामना ऑस्ट्रिया के कॉलिन्स फिलिमोन से पुरुष सिंगल्स के पहले राउंड के मैच में होगा। वहीं, अशित सूर्या और अमृता प्रमुतेश का मुकाबला तुर्की के एमरे सोनमेज और यासेमेन बेक्तास से होगा। विमेंस डबल्स के दूसरे राउंड में, ट्रीसा जॉली/गायत्री गोपीचंद का सामना अमेरिका की लॉरेन लैम/एलिसन ली से होगा। कविप्रिया सेल्वम/सिमरन सिंघी की जोड़ी का मुकाबला बुल्गारिया की स्टेफनी स्टोएवा/गैब्रिएला स्टोएवा की जोड़ी से होगा। पहले दिन, एशियन चैंपियनशिप के सिल्वर मेडलिस्ट आयुष शेट्टी ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप 2026 में सबसे बड़ा उलटफेर किया। उन्होंने दबाव में भी संयम बनाए रखते हुए पहले राउंड में टॉप सीड और डिफेंडिंग चैंपियन शी युकी को हरा दिया। युकी पर आयुष की जीत वर्ल्ड चैंपियनशिप के इतिहास में पहले राउंड के सबसे बड़े उलटफेरों में से एक है, क्योंकि चीनी खिलाड़ी टूर्नामेंट के शुरुआती राउंड में बाहर होने वाले पहले डिफेंडिंग मेंस सिंगल्स चैंपियन बन गए हैं। मेंस डबल्स में एमआर अर्जुन और हरिहरन अमसाकरुनन की जोड़ी ने आयरलैंड के स्कॉट गिल्डिया और पॉल रेनॉल्ड्स को 21-16, 6-4 (रिटायर्ड) से हराकर भारत के अभियान की शुरुआत की। इसके बाद, विमेंस डबल्स के शुरुआती राउंड में ट्रेसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने स्पेन की पाउला लोपेज और लूसिया रोड्रिगेज को 21-9, 21-13 से आसानी से हरा दिया।पूर्व वर्ल्ड चैंपियन पीवी सिंधु ने आयरलैंड की सोफिया नोबल को 21-7, 21-11 से हराकर अपना शुरुआती विमेंस सिंगल्स मैच आसानी से जीत लिया। आखिर में, कविप्रिया सेल्वम/सिमरन सिंघी की विमेंस डबल्स जोड़ी ने निकोल कारुला/कारमेन मारिया जिमेनेज के खिलाफ 22-20, 21-14 से जीत के साथ दिन का समापन किया।

ऋषभ पंत ने रचा इतिहास, टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने

गाले ,एजेसीं। ऋषभ पंत ने इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है। वह टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर बन गए हैं। पंत ने मंगलवार को गाले इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत और श्रीलंका के बीच पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन यह उपलब्धि हासिल की। मैच में आने से पहले, पंत के नाम 97 छक्के थे। उन्होंने पहली पारी में बनाए 39 रन के दौरान 1 छक्का लगाया था। वहीं, दूसरी पारी में 66 रन बनाने के दौरान दो छक्के लगाकर टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के लगाने की उपलब्धि हासिल की। पंत ने लाहिरू कुमारा की गेंद पर डीप फाइन लेग पर छक्का मारकर अपना 100वां छक्का पूरा किया। इस शॉट से उन्होंने 53 गेंदों पर अपना पचासवां रन भी पूरा किया। पंत टेस्ट में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर हैं। वहीं, ओवर ऑल टेस्ट में 100 छक्के लगाने वाले चौथे खिलाड़ी हैं। इस लिस्ट में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स (138) पहले नंबर पर हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ब्रेंडन मैकुलम (107) दूसरे नंबर पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट ने भी टेस्ट में 100 छक्के लगाए हैं। टेस्ट में 100 छक्के लगाने वाले गिलक्रिस्ट पहले क्रिकेटर थे।

दिनेश चांदीमल चोटिल, स्कैन के लिए भेजा गया अस्पताल

गाले ,एजेसीं। श्रीलंका को भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के चौथे दिन बड़ा झटका लगा। अनुभवी बल्लेबाज दिनेश चांदीमल फील्डिंग के दौरान चोटिल हो गए। चांदीमल को कंधे और गर्दन में चोट लगी है। उन्हें स्कैन के लिए अस्पताल ले जाया गया है। मंगलवार को पहले सेशन में फील्डिंग करते समय बाउंड्री रोकने के लिए डाइव लगाते समय चांदीमल के दाहिने कंधे और गर्दन में चोट लग गई। श्रीलंका क्रिकेट ने कहा, 'टीम के फिजियोथेरेपिस्ट और चिकित्सकों ने ग्राउंड पर उनकी जांच की और उन्हें एहतियात के तौर पर स्कैन के लिए हॉस्पिटल ले जाया गया है। स्कैन की रिपोर्ट आने के बाद उनकी इंजरी का अपडेट दिया जाएगा। ' केएल राहुल के डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग की तरफ से लगाए स्वीप को रोकने के लिए चांदीमल आगे बढ़े। उन्होंने गेंद को रोक दिया, लेकिन खुद को चोटिल कर बैठे। वे पूरी तरह से गिर गए, और उनके शरीर का पूरा वजन उनकी गर्दन पर आ गया। उन्हें अपनी गर्दन का पिछला हिस्सा पकड़े हुए देखा गया। फिजियो देखने आए, फिर उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा।

स्थानीय संसाधन और महिलाओं के कौशल से बन रही आकर्षक राखी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राखी त्यौहार को लेकर तैयार हैं लोकल उत्पादभाई बहन के प्रेम और सुरक्षा के बंधन का प्रतीक रक्षा बंधन का त्यौहार अब आने को है। इसे लेकर स्व सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं ने बड़ी संख्या में लोकल उत्पाद तैयार किए हैं और यह कोरिया वासियों के लिए बाजार में भी उपलब्ध हैं। रक्षाबंधन पर्व को लेकर ब्लॉक बैकुंठपुर की महिला स्व-सहायता समूहों की दीदियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

उत्पाद बाजार में उपलब्ध: जनपद बैकुंठपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत मझगंवा की प्रगति महिला समूह एवं ग्राम पंचायत आमगांव की बजरंग महिला समूह की दीदियों द्वारा अपने हुनर और रचनात्मकता से आकर्षक एवं डिजाइनर राखियां तैयार की जा रही हैं। दीदियों द्वारा निर्मित उत्पाद मुख्यालय बैकुंठपुर के स्थानीय बाजार में विक्रय हेतु उपलब्ध है।

निर्माण सामग्री: स्व सहायता महिला समूहों की दीदियां धान, चावल, स्टोन ,रेसीन जैसी सामग्रियों का उपयोग कर सुंदर एवं आकर्षक राखियां बना रही हैं। इन राखियों में ग्रामीण संस्कृति के साथ स्थानीय संसाधनों और महिलाओं की कला-कौशल का अनूठा मेल देखने को मिल रहा है।

त्यौहार बना अवसर: जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री योगेंद्र श्रीवास ने बताया कि राखियों को तैयार करने का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ते हुए उनकी आय में वृद्धि करना और स्थानीय स्तर पर आजीविका के अवसर उपलब्ध कराना है। समूह की दीदियां पूरे उत्साह के साथ अपने उत्पाद बना रही है और इन्हें बाजार में आकर्षक दर में उपलब्ध कराया जाएगा।

वोकल फॉर लोकल: प्रत्येक उत्पाद यदि स्थ:नीय स्तर पर तैयार हो रहा है तो हम सभी को उसके उपयोग के लिए आगे आना है। कलेक्टर श्रीमती रोक्तिमा यादव ने अपील की है कि प्रत्येक कोरियावासी महिला समूहों की दीदियों द्वारा बनाई गई राखियां खरीद कर स्थानीय महिलाओं को आर्थिक स्वावलंबन में मदद करें।

रात्रि गश्ती में अवैध सागौन से लदा पिकअप वाहन जब्त

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। रात्रि गश्ती में अवैध सागौन से लदा पिकअप वाहन जब्त वन विभाग द्वारा वन क्षेत्रों में लगातार रात्रि गश्ती, निगरानी और जांच अभियान चलाया जा रहा है, ताकि अवैध कटाई और काष्ठ परिवहन पर प्रभावी रोक लगाई जा सके तथा प्रदेश के वन एवं प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण सुनिश्चित हो। वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप के निर्देशानुसार प्रदेश में वनों की अवैध कटाई और काष्ठ परिवहन के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कोरबा वन मंडल की टीम ने रात्रि गश्ती के दौरान अवैध सागौन लकड़ी से लदा बोलेरो मैक्स पिकअप वाहन जब्त किया है। वन परिक्षेत्र कोरबा के भूलसीडीह क्षेत्र में सागौन की अवैध कटाई और लकड़ी के अवैध परिवहन की सूचना वन विभाग को मिली थी। सूचना के आधार पर झगराहा से भूलसीडीह वन नाके के बीच वन मार्ग पर निगरानी बढ़ाई गई। रात्रि गश्ती के दौरान जंगल की ओर से आ रहे बोलेरो मैक्स पिकअप वाहन क्रमांक छ्त्र 13⁄ङ्ग 1202 को रोककर जांच की गई। वाहन में अवैध रूप से परिवहन किए जा रहे सागौन के 26 लट्ठे मिले। बरामद सागौन की मात्रा लगभग 2 घन मीटर है, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत करीब 85 हजार रुपए बताई गई है। वन विभाग की टीम ने वाहन और लकड़ी को जब्त कर भारतीय वन अधिनियम, 1927 की संबंधित धाराओं के तहत पी.ओ.आर. दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। यह कार्रवाई वन मंडलाधिकारी कोरबा श्री जितेंद्र कुमार उपाध्याय के आदेशानुसार तथा उप वन मंडलाधिकारी उत्तर कोरबा श्री राम सिंह राठिया और उप वन मंडलाधिकारी दक्षिण कोरबा श्री सूर्यकांत सोनी के निर्देशन में की गई। वन परिक्षेत्र अधिकारी श्री मृत्युंजय शर्मा के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। कार्रवाई में परिक्षेत्र सहायक श्री अश्मन आडिल, परिसर रक्षक श्री गुरुवेंद्र कुर्रे, श्री अर्जुन सिंह कंवर, श्री बलराम राठिया, कर्मचारी श्री चंद्रशेखर राठिया सहित अन्य वनकर्मी शामिल रहे।

ग्रामीणों और वन समितियों का रहा सहयोग: अवैध काष्ठ परिवहन की सूचना देने में स्थानीय मुखबिरों तथा संयुक्त वन प्रबंधन समिति डुमरडीह-भूलसीडीह के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वन विभाग ने उनके सहयोग की सराहना की है। ग्रामीणों ने भी वन संरक्षण के लिए विभाग द्वारा की जा रही त्वरित कार्रवाई की सराहना की।

प्रधानमंत्री जनमन योजना : बैगा कार्तिक राम का पक्का घर बना खुशियों का आशियाना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री जनमन योजना विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा परिवारों के जीवन में स्थायी बदलाव लाने और उन्हें पक्के आवास की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। योजना के माध्यम से ऐसे बैगा परिवार, जो वर्षों से कच्चे एवं जर्जर मकानों में रहने को मजबूर थे, अब पक्के और सुरक्षित आवास का सपना साकार कर रहे हैं। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत मुंगेली जिले के लोरमी विकासखंड के ग्राम गुनापुर निवासी श्री कार्तिक राम बैगा का पक्का मकान खुशियों का आशियाना बन गया है। पक्का मकान बन जाने से कार्तिक राम वर्षों पुराना सपना साकार हो गया है। कार्तिक राम का परिवार लंबे समय से कच्चे मकान में निवास कर रहा था। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण परिवार के लिए पक्का मकान बनाना एक सपने जैसा था। बारिश, मौसम और रोजमर्रा की कठिन परिस्थितियों के बीच कच्चे मकान में परिवार का जीवनयापन करना चुनौतीपूर्ण बना हुआ था। प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत किए गए सर्वेक्षण में कार्तिक राम बैगा पात्र पाए गए। इसके बाद वर्ष 2023-24 में उनका आवास स्वीकृत किया गया। योजना से मिली सहायता और स्थानीय स्तर पर विभागीय मार्गदर्शन से उन्होंने स्वयं आवास निर्माण का कार्य आगे बढ़ाया और अब उनका पक्का आवास पूर्ण होकर तैयार है। आज कार्तिक राम अपने परिवार के साथ सुरक्षित और सुविधाजनक पक्के मकान में रह रहे हैं। वर्षों से जिस पक्की छत की उम्मीद थी, वह प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से हकीकत बन गई है।

टाउन हॉल में छायाचित्र प्रदर्शनी देखने उमड़ी भीड़, एआई तकनीक से विरासत और पर्यटन का अभिनव अनुभव

ऐतिहासिक विरासत से आधुनिक विकास तक की तस्वीरें बनीं आकर्षण का केंद्र

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राजधानी रायपुर के कचहरी चौक स्थित ऐतिहासिक टाउन हॉल में जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित सात दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी नागरिकों और विद्यार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। प्रदर्शनी देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। आज भी विद्यार्थियों और आम नागरिकों ने उत्साह के साथ प्रदर्शनी का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में स्वतंत्रता संग्राम में छत्तीसगढ़ के योगदान, वीर सेनानियों के संघर्ष और बलिदान, राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' की 150 वर्षों की गौरवशाली यात्रा तथा राज्य की विकास और सुशासन यात्रा को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया है। एआई तकनीक से विरासत और पर्यटन का अभिनव अनुभव, क्विज से परख रहे छत्तीसगढ़ संबंधी ज्ञान प्रदर्शनी में एआई तकनीक से विरासत और पर्यटन का अभिनव अनुभव लोगों के लिए विशेष आकर्षण बना हुआ है। इस पहल के माध्यम से आगंतुक छत्तीसगढ़ के प्रमुख पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों की पृष्ठभूमि के साथ अपनी डिजिटल तस्वीर तैयार करा सकते हैं। आधुनिक तकनीक और छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक एवं पर्यटन विरासत के इस संगम को लेकर बच्चों और युवाओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। इसके साथ ही प्रदर्शनी परिसर में छत्तीसगढ़ से संबंधित क्विज कार्यक्रम भी आयोजित किया जा रहा है। इसमें आगंतुक छत्तीसगढ़ के इतिहास, संस्कृति, परंपरा, पर्यटन और विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं से जुड़े प्रश्नों में भाग लेकर अपने ज्ञान का आकलन कर सकते हैं। क्विज के माध्यम से मनोरंजन के साथ-साथ लोगों को छत्तीसगढ़ के बारे में अधिक जानने और अपनी जानकारी परखने का अवसर मिल रहा है। विद्यार्थियों और युवाओं में इस ज्ञानवर्धक गतिविधि को लेकर विशेष उत्सुकता देखी जा रही है।

इतिहास को तस्वीरों के माध्यम से जानने का अवसर: प्रदर्शनी में स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े दुर्लभ छायाचित्र, ऐतिहासिक दस्तावेज और महत्वपूर्ण प्रसंग प्रदर्शित किए गए हैं। छत्तीसगढ़ के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, जननायकों और अमर बलिदानियों के योगदान को विशेष स्थान दिया गया है। महात्मा गांधी के छत्तीसगढ़ प्रवास तथा प्रदेश में हुए सामाजिक एवं राष्ट्रीय आंदोलनों से जुड़े महत्वपूर्ण प्रसंग भी प्रदर्शनी का हिस्सा हैं प्रदर्शनी देखने पहुंचे विद्यार्थियों ने छायाचित्रों और ऐतिहासिक दस्तावेजों को उत्सुकता के साथ देखा। उन्होंने कहा कि पुस्तकों में पढ़े गए स्वतंत्रता संग्राम के प्रसंगों को वास्तविक छायाचित्रों और ऐतिहासिक सामग्री के माध्यम से देखना एक अलग और प्रेरणादायी अनुभव है। इससे उन्हें स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष, त्याग और राष्ट्र के प्रति समर्पण को करीब से समझने का अवसर मिला। 'वंदे मातरम्' की 150 वर्षों की गौरवगाथा प्रदर्शनी का प्रमुख आकर्षण राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' की 150 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा पर केंद्रित खंड है। इसमें 'वंदे मातरम्' की रचना से लेकर स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्रजागरण के प्रेरणादायी स्वर के रूप में इसकी भूमिका को ऐतिहासिक संदर्भों और छायाचित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। इस खंड के माध्यम से नई पीढ़ी को स्वतंत्रता आंदोलन में राष्ट्रगीत की भूमिका तथा देशवासियों में राष्ट्रभावना जागृत करने वाले इसके प्रभाव से परिचित कराया जा रहा है। विद्यार्थियों ने इस खंड में विशेष रुचि दिखाई और इसे देश के स्वतंत्रता संघर्ष तथा राष्ट्रभावना को समझने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

स्वतंत्रता की गौरवगाथा से विकास की नई तस्वीर तक: प्रदर्शनी में स्वतंत्रता संग्राम की गौरवगाथा के साथ छत्तीसगढ़ की वर्तमान विकास यात्रा को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है। जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आम नागरिकों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों को छायाचित्रों के माध्यम से दर्शाया गया है। महतारी वंदन योजना, कृषक उन्नति योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी पहलों की जानकारी भी प्रदर्शनी में दी गई है। महिलाओं, किसानों, युवाओं, श्रमिकों और जरूरतमंद परिवारों के सशक्तिकरण से जुड़ी उपलब्धियों को भी प्रदर्शित किया गया है।

सुशासन और विकास की उपलब्धियों की झलक:

प्रदर्शनी में सुशासन तिहार, हरित छत्तीसगढ़, शिक्षा एवं अधोसंरचना विस्तार सहित राज्य की विकास यात्रा को भी छायाचित्रों और सूचनात्मक सामग्री के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। बेहतर सड़क एवं रेल संपर्क, औद्योगिक अधोसंरचना, निवेश और रोजगार के नए अवसरों से जुड़ी उपलब्धियों की झलक भी यहां देखने को मिल रही है। इस प्रकार प्रदर्शनी में स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास से लेकर वर्तमान छत्तीसगढ़ के विकास तक की यात्रा को एक ही मंच पर प्रस्तुत किया गया है। अतीत की गौरवगाथा और वर्तमान की विकास यात्रा का यह संयोजन आगंतुकों को विशेष रूप से आकर्षित कर रहा है।

विद्यार्थियों ने बताया ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायी अनुभव:

प्रदर्शनी देखने पहुंचे विद्यार्थियों और शिक्षकों ने अपने अनुभव भी साझा किए। विद्यार्थियों और शिक्षकों ने प्रदर्शनी को सुंदर, ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायी बताया, विद्यार्थियों ने कहा कि उन्हें स्वतंत्रता संग्राम के नायकों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली है। ऐसे आयोजन देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीरों के बारे में नई पीढ़ी को बेहतर जानकारी देने में उपयोगी है।

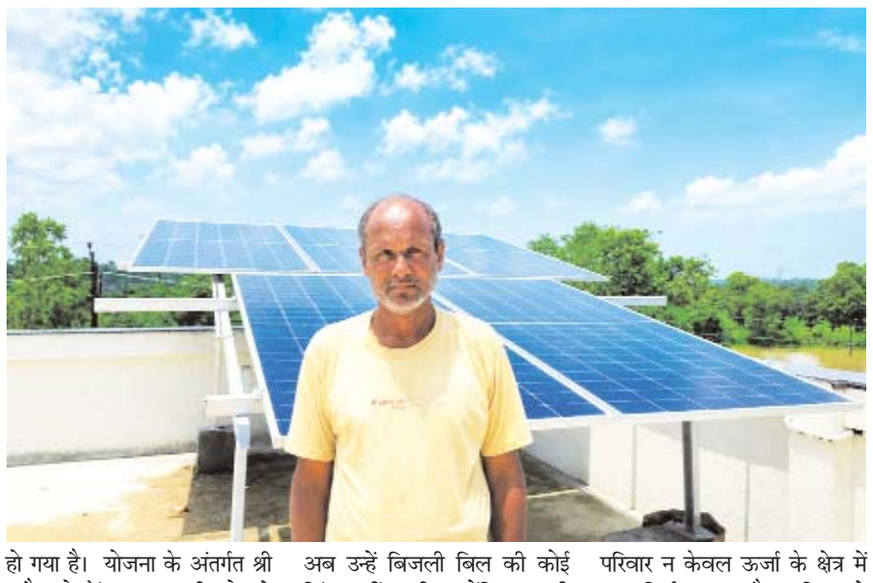

प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना से बदल रही तस्वीर : शुभम राठौर का परिवार बना ऊर्जा आत्मनिर्भरता का उदाहरण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की पहल और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में स्वच्छ एवं सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए संचालित 'पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना' आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। इस योजना के माध्यम से ग्रामीण एवं शहरी परिवार अपनी छतों पर सोलर प्लांट स्थापित कर न केवल अपनी बिजली आवश्यकताओं की पूर्ति कर रहे हैं, बल्कि बिजली खर्च में भी उल्लेखनीय कमी ला रहे हैं। गौरेला विकासखंड के ग्राम पंचायत भदौरा निवासी श्री शुभम राठौर ने इस योजना का लाभ उठाते हुए अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर प्लांट स्थापित किया है और अब उन्होंने सौर ऊर्जा को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बना लिया है। सोलर प्लांट लगने से पहले उन्हें हर महीने लगभग 400 से 500 रुपये तक बिजली बिल का भुगतान करना पड़ता था, लेकिन अब उनका बिजली खर्च लगभग समाप्त हो गया है। योजना के अंतर्गत श्री राठौर को केंद्र सरकार की ओर से 78 हजार रुपये की सब्सिडी सीधे उनके बैंक खाते में प्राप्त हुई, वहीं राज्य सरकार द्वारा 30 हजार रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी भी प्रदान की गई। इस सहायता से सोलर प्लांट की स्थापना उनके लिए आर्थिक रूप से काफी आसान हो गई। श्री शुभम राठौर बताते हैं कि अब उन्हें बिजली बिल की कोई चिंता नहीं रहती, क्योंकि घर की आवश्यक बिजली स्वयं उनकी छत पर तैयार हो रही है। सोलर प्लांट से आवश्यकता से अधिक उत्पन्न बिजली ग्रिड में चली जाती है, जिसका समायोजन बिजली बिल में किया जाता है, जिससे उन्हें अतिरिक्त आर्थिक लाभ भी प्राप्त हो रहा है। इस पहल से श्री राठौर का परिवार न केवल ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना है, बल्कि वे स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग और पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उनकी यह सफलता इस बात का प्रेरक उदाहरण है कि सरकारी योजनाओं का सही उपयोग कर आम परिवार भी आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा सकते हैं।

समन्वित कृषि से किसान राजैया पसपुल ने बदली खेती की तस्वीर

रायपुर। खेती के साथ पशुपालन, मछली पालन और बागवानी जैसी गतिविधियों को एक साथ जोड़कर आमदनी बढ़ाने और जोखिम कम करने का एक बेहतरीन तरीका है।छत्तीसगढ के बीजापुर जिले के गंगालूर तहसील के ग्राम चेरपाल निवासी किसान राजैया पसपुल, पिता एंकैया पसपुल ने आधुनिक और समन्वित कृषि को अपनाकर खेती को अधिक लाभकारी बनाने की दिशा में मिसाल पेश की है।

समन्वित खेती में आत्मनिर्भरता की राह मजबूत हुई: लगभग 5 एकड़ कृषि भूमि पर खेती करने वाले राजैया ने फसल उत्पादन के साथ मछली और मुर्गी पालन को भी अपनी कृषि गतिविधियों से जोड़ा है। इससे उनकी आय के स्रोत बढ़े हैं और खेती में आत्मनिर्भरता की राह मजबूत हुई है।

उन्नत किस्मों से धान की खेती: राजैया खरीफ सीजन में लगभग 5 एकड़ में धान की खेती करते हैं। वे 1001, महामाया और 1010 जैसी उन्नत धान किस्मों का उपयोग कर रहे हैं। कृषि विभाग से प्राप्त बीज, खाद और माइक्रोन्यूट्रिएंट सहित अन्य सुविधाओं से उन्हें बेहतर उत्पादन के लिए आवश्यक सहयोग मिला है। सिंचाई के लिए उनके पास सौर पंप उपलब्ध है। इसके अलावा ट्रैक्टर और राइस मिल जैसी सुविधाओं ने खेती से जुड़े कार्यों को आसान बनाया है।

सरसों की खेती से बढ़ी आय की संभावना: रबी वर्ष 2025-26 में कृषि विभाग के मार्गदर्शन में राजैया ने एक एकड़ में सरसों की फसल का प्रदर्शन किया। इससे उन्हें लगभग 200 किलोग्राम सरसों का उत्पादन प्राप्त हुआ। धान के साथ सरसों जैसी अन्य फसलों को अपनाने से खेती में विविधता आई और अतिरिक्त आय का अवसर मिला।

खेत में फसल के साथ मछली और मुर्गी पालन: राजैया ने खेती को केवल फसल उत्पादन तक सीमित नहीं रखा। उन्होंने समन्वित कृषि पद्धति अपनाते हुए मछली पालन और मुर्गी पालन को भी खेती से जोड़ा है। इस पद्धति से उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग हो रहा है और परिवार के लिए आय के अतिरिक्त स्रोत तैयार हुए हैं।

छत्तीसगढ़ लोक आयोग में गरिमामय ढंग से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ लोक आयोग, रायपुर के कार्यालय प्रांगण में 80वां स्वतंत्रता दिवस गरिमामय वातावरण में मनाया गया। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर आयोजित समारोह में माननीय न्यायमूर्ति श्री आई.एस. उबोवेजा ने राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान के साथ राष्ट्रीय ध्वज फहराया। ध्वजारोहण के पश्चात उपस्थित सभी लोगों ने राष्ट्रगान में सहभागिता की और देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले वीर शहीदों को नमन किया। कार्यक्रम में स्वतंत्रता दिवस की गरिमा और राष्ट्रभक्ति का वातावरण बना रहा। समारोह में अतिथि के रूप में न्यायमूर्ति श्री गौतम भादुड़ी, न्यायमूर्ति श्री आर.पी. शर्मा, पूर्व न्यायाधीश श्री डी.के. तिवारी, श्री ए.के. सामन्त रे, पूर्व सचिव श्री एस.के. तिवारी एवं श्री बिपिन मांझी उपस्थित रहे। इस अवसर पर लोक आयोग कार्यालय के विधिक सलाहकार श्री अजीत कुमार राजभानू, उपसचिव श्रीमती चित्रलेखा सोनवानी, तकनीकी सलाहकार श्री राकेश पुराम सहित कार्यालय के अधिकारी एवं समस्त कर्मचारीगण मौजूद रहे। सभी ने देश की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

ग्राफ्टेड बैंगन की खेती से किसान श्री सुरेन्द्र को 2.39 लाख रुपए का हुआ शुद्ध लाभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। परंपरागत खेती के साथ यदि किसान आधुनिक कृषि तकनीकों और उन्नत किस्मों को अपनाएं, तो कम क्षेत्र में भी उत्पादन और आमदनी को बढ़ाया जा सकता है। इसी तरह उद्यानिकी फसल के अंगीकरण के बाद ग्राफ्टेड बैंगन की खेती किसान श्री सुरेन्द्र के लिए अच्छी उत्पादन और अतिरिक्त आय का माध्यम बना। किसान श्री सुरेंद्र बताते हैं कि कृषि की उन्नत तकनीक को अपनाने व नई पद्धति की जानकारी प्राप्त करने के लिए उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों के संपर्क में रहते हैं। जिसके माध्यम से उन्हें राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत वर्ष 2025-26 में ग्राफ्टेड बैंगन फसल के लिए 30 हजार रुपए का अनुदान प्राप्त हुआ। वे बताते हैं कि ग्राफ्टेड बैंगन की खेती से उन्हें कुल 144 क्विंटल बैंगन का उत्पादन मिला। उत्पादित बैंगन को बाजार मूल्य में बेचने पर उन्हें 2 लाख 39 हजार रुपए का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। उत्पादन और बाजार मूल्य ने किसान श्री सुरेंद्र को पारंपरिक खेती की तुलना में बेहतर आर्थिक परिणाम दिया।

सिहावल सागर एलीफेंट कैंप में गूंजा हाथी संरक्षण का संदेश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में अचानकमार टाइगर रिजर्व (एटीआर) के सिहावल सागर एलीफेंट कैंप में विश्व हाथी दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य हाथियों के संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, मानव-हाथी द्वंद्व को कम करना और वन्यजीवों के साथ सह-अस्तित्व की भावना को मजबूत करना रहा।

पारंपरिक पूजा के बाद हाथियों का किया गया सत्कार: कार्यक्रम की शुरुआत एलीफेंट कैंप में मौजूद चारों हाथियों की पारंपरिक पूजा-अर्चना से हुई। पूजा के बाद हाथियों को गुड़, केला, लड्डू और गन्ना खिलाकर उनका सत्कार किया गया। इस अवसर पर वन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों और ग्रामीणों ने हाथियों की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए शपथ ली।

महावत और 'हाथी मित्र दल' का सम्मान: हाथियों की देखभाल, सुरक्षा और निगरानी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले महावतों और 'हाथी मित्र दल' के सदस्यों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। वन विभाग ने कहा कि मानव-हाथी द्वंद्व को कम करने और ग्रामीण क्षेत्रों में हाथियों की गतिविधियों की जानकारी समय पर पहुंचाने में स्थानीय समुदाय और हाथी मित्र दल की भूमिका महत्वपूर्ण है।

संगोष्ठी में बताया हाथियों का महत्व: शपथ ग्रहण के बाद ग्रामीणों के साथ संगोष्ठी आयोजित की गई। इसमें हाथियों की पारिस्थितिकी तंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका, वन संरक्षण तथा मानव-हाथी सह-अस्तित्व के विषय में जानकारी दी गई। ग्रामीणों को हाथियों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने और हाथियों की गतिविधियों की सूचना वन विभाग को देने के लिए प्रेरित किया गया।

वन्यजीव संरक्षण के लिए जनभागीदारी पर जोर: कार्यक्रम में अधिकारियों ने कहा कि वन्यजीव संरक्षण केवल वन विभाग की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसमें स्थानीय समुदाय की भागीदारी भी आवश्यक है। सरकार द्वारा वन एवं वन्यजीव संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों को जनसहयोग से और प्रभावी बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) बिलासपुर एवं क्षेत्र संचालक श्रीमती प्रियंका पांडे, उप संचालक श्री गणेश, सहायक संचालक (बफर) श्री समीर जोनाथन, डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के श्री उपेंद्र दुबे, वरिष्ठ फोटोग्राफर एवं पत्रकार श्री सत्यप्रकाश पांडे, एटीआर के सभी रेंजर, स्थानीय सरपंच तथा सरसडोल गांव के ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा